नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 51

सोमवार, 02 से 08 फरवरी 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री ने डीटीसी को 1,200 करोड़ के अनुदान को दी मंजूरी 03

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक... 08

NCR समाचार

दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एंबेसडर बने शिखर धवन 10

विंटर केयर : सर्दियों में बच्चों को कितनी बार नहलाना चाहिए? 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट 12

एक नजर

अवैध रूप से रह रहे 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की कुरार इकाई को अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मलाड पूर्व के पठानवाड़ी इलाके में छापेमारी कर चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये सभी बांग्लादेशी नागरिक लंबे समय से फर्जी पहचान के सहारे यहां रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, कुरार पुलिस स्टेशन के एटीसी (एंटी-टेरर सेल) अधिकारी को सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक मलाड ईस्ट के पठानवाड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे हैं और नकली दस्तावेजों के आधार पर स्थानीय पहचान बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर कुरार पुलिस और एटीसी टीम ने संयुक्त अभियान चलाते हुए 2 से 6 फरवरी के बीच इलाके में कई स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार संदिग्धों को मौके से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सभी ने खुद को बांग्लादेश का नागरिक स्वीकार किया। प्रारंभिक जांच में उनके पास से बांग्लादेश से संबंधित कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए, जिनमें स्थायी निवास प्रमाणपत्र, नागरिकता प्रमाणपत्र और बांग्लादेश का नेशनल आईडी कार्ड शामिल है। पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग मलाड पूर्व के पठानवाड़ी इलाके में रह रहे थे और छोटे-मोटे व्यवसाय कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, सभी आरोपी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश कर लंबे समय से यहां रह रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजस्थान के अलवर में मानवता शर्मसार, कन्या भ्रूण मिलने से हड़कंप

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में महिला भ्रूण हत्या का एक मामला सामने आया है। रविवार को पुलिस ने एक प्लास्टिक के बंडल से आठ महीने की बच्ची का भ्रूण बरामद किया, जिससे लोगों में गुस्सा है। इस घटना के बाद सामाजिक जागरूकता और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। यह घटना उस वक्त सामने आई जब गोविंदगढ़ इलाके में बरोली और न्याना गांवों के बीच झाड़ियों में सलवार और पॉलिथीन में लिपटा एक बंडल मिला। बताया जा रहा है कि बंडल गुरुवार को देखा गया था। हालांकि, लोगों ने इसे कचरा समझकर नजरअंदाज कर दिया था। रविवार सुबह जब बंडल खोला गया तो ग्रामीणों को उसके अंदर एक बच्ची का भ्रूण मिला। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, रविवार सुबह पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, निवासियों ने आरोप लगाया कि पुलिस करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची, इस दौरान घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। ग्रामीणों ने दावा किया कि पुलिस ने देरी का कारण थाने में कर्मचारियों की कमी बताया, जिससे कथित तौर पर स्थानीय लोगों में नाराजगी और गुस्सा फैल गया।पुलिस के आने से पहले, गांव वालों ने बताया कि उन्होंने भ्रूण को आवारा जानवरों से बचाने की जिम्मेदारी खुद ली।

आंतकवाद पर कोई दोहरा मापदंड नहीं और कोई समझौता नहीं : पीएम मोदी

कुआलालंपुर, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की और फिर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सामने बयान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मलेशिया भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है और दोनों देशों की सभ्यताएं सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार जताया और बताया कि 2026 की अपनी पहली विदेश यात्रा में वे मलेशिया आए हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत-मलेशिया संबंधों में नई गति और गहराई आई है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बायोटेक, आईटी, पर्यटन और पीपल-टू-पीपल कनेक्शन में सहयोग मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा सहयोग, काउंटर टेररिज्म, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मेरिटाइम सुरक्षा में भी दोनों देशों का सहयोग बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा एआई, डिजिटल टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा में साझेदारी को और बढ़ाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने बताया कि सीईओ फोरम के माध्यम से नए व्यापार और निवेश अवसर उत्पन्न हुए हैं और यह साझेदारी भारत-मलेशिया के बीच रणनीतिक विश्वास पर आधारित आर्थिक बदलाव को गति देगी।

पीएम मोदी ने भारतीय प्रवासियों से मुलाकात को भी याद किया और कहा कि लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी भारत और मलेशिया के बीच 'लिविंग ब्रिज' का काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासियों के लिए मलेशिया में सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा और यूपीआई डिजिटल पेमेंट जैसे कदमों का उल्लेख किया, जो दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को आसान बनाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपने युवाओं के बीच विश्वविद्यालय एक्सचेंज, स्टार्टअप कनेक्ट और स्किल डेवलपमेंट के अवसर भी बढ़ा रहे हैं। हमारे बढ़ते संबंधों को समर्थन देने के लिए हम मलेशिया में नया कांसुलेट भी खोलने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आसियान के साथ पूरे इंडो पैसिफिक क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत आसियान सेंट्रलिटी को प्राथमिकता देता है।

उन्होंने मलेशिया में तमिल समुदाय और उसकी संस्कृति पर भी जोर दिया और कहा कि शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक क्षेत्रों में तमिल भाषा का मजबूत और जीवंत योगदान है। उन्होंने ऑडियो-विजुअल एग्रीमेंट के तहत फिल्म और संगीत, विशेषकर तमिल फिल्मों, के माध्यम से लोगों को और करीब लाने का प्रयास बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं और आसियान-भारत व्यापार समझौते (आईटीजीए) की समीक्षा जल्द पूरी करनी चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के इस माहौल में भारत और मलेशिया की बढ़ती मित्रता दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद के खिलाफ हमारा संदेश स्पष्ट है झ कोई दोहरा मापदंड नहीं और कोई समझौता नहीं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों का संबंध रणनीतिक और मानवीय आधार पर मजबूत है। पीएम मोदी ने अपने मलेशियाई समकक्ष के आतिथ्य और स्वागत के लिए धन्यवाद किया और कहा कि वे उन्हें भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'मॉडरेट' कैटेगरी में पहुंची, कई इलाकों में बना हुआ है स्मॉग

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा की गुणवत्ता रविवार सुबह थोड़ी बेहतर जरूर हुई, लेकिन शहर के कई इलाकों में प्रदूषण अब भी चिंता का कारण बना हुआ है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 96 दर्ज किया गया। यह मध्यम श्रेणी में आता है। शनिवार की तुलना में यह सुधार है, जब दोपहर 4 बजे एक्यूआई 227 था और उसे खराब श्रेणी में रखा गया था। हालांकि प्रदूषण में थोड़ी कमी आई है, फिर भी कई इलाकों में हल्की धुंध छाई रही, जिससे साफ है कि हवा की हालत अभी पूरी तरह अच्छी नहीं हुई है।

दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर अब भी ज्यादा बना हुआ है। मुंडका में सबसे खराब स्थिति रही, जहां एक्यूआई 266 दर्ज किया गया। इसके बाद पूसा (257), नरेला (247), रोहिणी (247), अशोक विहार (243), जहांगीरपुरी (242) और वजीरपुर (239) में भी हवा खराब श्रेणी में रही। नेहरू नगर (237), शादिपुर (236), बवाना (23), विवेक विहार (23), सिरीफोर्ट (222) और चांदनी चौक (220) में भी प्रदूषण का स्तर अधिक दर्ज किया गया। वहीं, कुछ इलाकों में हवा की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। श्री अरबिंदो मार्ग में सबसे कम एक्यूआई 26 दर्ज किया गया। इसके अलावा आईजीआई एयरपोर्ट (3), आया नगर (36), लोदी रोड (39), मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (40), आईआईटी दिल्ली (4) और मंदिर मार्ग (45) में हवा मध्यम श्रेणी में रही। रविवार के आंकड़े शनिवार के आंकड़ों से लगभग मिलते-जुलते रहे। शनिवार को आनंद विहार में एक्यूआई 260 और आरके पुरम में 237 दर्ज किया गया था, जो खराब श्रेणी में था। आईटीओ में एक्यूआई 223 और चांदनी चौक में 232 रहा। वहीं आया नगर (5), आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल-3 (38) और पूसा (57) में हवा ह्यमध्यमह्ण स्तर की रही।

पटना की आकांक्षा को न्याय दिलाने में सरकार का रवैया संदिग्ध : प्रियंका-राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया है कि पटना में नीट की तैयारी कर रही आकांक्षा की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में भी भाजपा सरकार का रवैया संदिग्ध बना हुआ है और जब सांसद पप्पू यादव इसे लेकर आवाज उठाते हैं तो उनके साथ असंवेदनशील व्यवहार किया जाता है।

श्रीमती वाड्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पटना के हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह केस सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक-सब कुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक-जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं। इस केस में आवाज उठा रहे सांसद पप्पू यादव जी की गिरफ्तारी इसी असंवेदनशील रवैये की एक और कड़ी है। भाजपा और उनके सहयोगियों का एजेंडा स्पष्ट है- वे अन्याय और अत्याचार के साथ खड़े हैं।

श्री गांधी ने कहा कि आकांक्षा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जाँच और न्याय की माँग की, तो वही पुराना भाजपा-एनडीए मॉडल सामने आ गया-केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो।

उन्होंने कहा कि इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए।

सेना प्रमुख ने पूंछ दौरे पर तैयारियों का जायजा लेने के साथ पुराने सहकर्मी से की मुलाकात

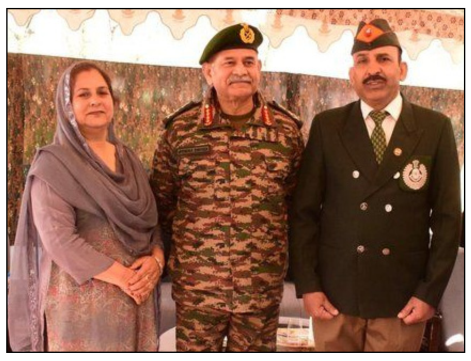

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पूंछ जिले में अग्रिम क्षेत्रों में तैनात जवानों से मुलाकात की और सेना की तैयारियों का जायजा लेने के साथ पड़ोस के गांव में अपने पुराने सहकर्मी सेवानिवृत सूबेदार परवेज अहमद से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम भी पहुंची।

सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्थानीय स्तर पर जवानों की मदद करने के लिए सूबेदार अहमद को सम्मानित भी किया। उन्होंने अग्रिम इलाकों में तैनात जवानों के मनोबल और सतर्कता की भी सराहना की।

अग्रिम क्षेत्रों के दौरे के बाद जनरल द्विवेदी पूंछ के कामसर गांव भी गये। वहां उन्होंने 8 जम्मू-कश्मीर राइफल्स के सेवानिवृत्त सूबेदार (मानद कैप्टन) परवेज अहमद से मुलाकात की। यह मुलाकात विशेष थी क्योंकि दोनों पहले सेना में एक साथ सेवा कर चुके हैं। जब वर्ष 2002 से 2005 के बीच जनरल द्विवेदी बटालियन के कमांडिंग अफसर थे तब सूबेदार परवेज अहमद उसी यूनिट में थे।

सूबेदार परवेज अहमद ने मार्च 99 में सेना में भर्ती होकर मार्च 209 में 25 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति ली। सेवा के दौरान उन्होंने अलग-अलग इलाकों में काम किया और कई बार प्रशिक्षण संस्थानों में जवानों को ट्रेनिंग भी दी।

सेना से रिटायर होने के बाद सूबेदार परवेज अहमद समाज से जुड़े रहे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्होंने स्थानीय स्तर पर जवानों की मदद की। उन्होंने जरूरी सामान पहुंचाने और स्थानीय जानकारी साझा करने में सहयोग किया। यह सब उन्होंने कठिन हालात में किया।

उनके इस योगदान को देखते हुए सेना प्रमुख ने उन्हें 'वेटरन अचीवर अवॉर्ड' से सम्मानित किया। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्य, पूर्व सैनिक और आसपास के लोग भी मौजूद थे।

संगम विहार में सनसनीखेज गोलीकांड सब्जी विक्रेता की मौत, प्रेम प्रसंग में हुई हत्या

नमिता चौहान

राजधानी दिल्ली के दक्षिणी जिले के संगम विहार इलाके में शुक्रवार सुबह हुई गोलीबारी की वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। सब्जी विक्रेता रविंद्र को एक युवक ने सिर में गोली मार दी थी। गंभीर हालत में उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है।

सुबह-सुबह मारी गई गोली, इलाके में मचा हड़कंप

घटना शुक्रवार सुबह की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रविंद्र रोज की तरह सुबह सब्जी लेने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान एक युवक ने उसे निशाना बनाते हुए सिर में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पीसीआर को सूचना दी।

पुलिस ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

पीसीआर कॉल मिलते ही संगम विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रविंद्र को पहले मजीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने आरोपी को दबोचा

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान योगेंद्र (26) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले के धीरपुर गांव का निवासी बताया जा रहा है। आरोपी को भी चोटें आई थीं, जिसके चलते उसे मजीदिया अस्पताल और बाद में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया।

पुरानी रंजिश और प्रेम प्रसंग की आशंका

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी और पीड़ित के बीच व्यक्तिगत विवाद था। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी के पीड़ित की पत्नी के साथ पहले संबंध थे। बाद में जब रविंद्र और उसकी पत्नी की शादी हो गई, तो आरोपी इस बात से नाराज था और इसी रंजिश में उसने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है और हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है।

परिवार का रो-रोकर बुरा हाल

रविंद्र की बहन आरती ने बताया कि उसका भाई सब्जी बेचकर परिवार का पालन-पोषण करता था और उसका किसी से कोई झगड़ा नहीं था।

आरती ने कहा, मेरा भाई रोज की तरह सुबह घर से निकला था। 15 मिनट बाद खबर मिली कि उसे गोली मार दी गई। हमें समझ नहीं आ रहा कि आखिर मेरे भाई की क्या गलती थी। वहीं, चाची यशोदा ने भी घटना पर दुख जताते हुए कहा कि रविंद्र का किसी से कोई विवाद नहीं था।

डीसीपी का बयान

दक्षिणी जिला के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि सुबह करीब 9:15 बजे संगम विहार थाने में गोली लगने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घायल की पहचान रविंद्र, निवासी गली नंबर-3, संगम विहार के रूप में हुई। शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामला दर्ज, जांच जारी

पुलिस ने आरोपी योगेंद्र के खिलाफ हत्या से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

झारखंड में नगर निकायों के चुनाव में बज रहा सियासी परिवारवाद का डंका

रांची, एजेंसी। झारखंड के 48 नगर निकायों में हो रहे चुनाव में सियासी परिवारवाद का डंका बज रहा है। कई बड़े दलों के प्रभावशाली नेताओं के परिजन मैदान में उतर आए हैं। कद्दावर लीडरों के पति, पत्नी, बेटे-बेटियां, बहुएं और भाई नगर निकायों में ह्यसत्ताह्ण के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। इन निकायों के लिए 23 फरवरी को वोट डाले जाएंगे और इसे लेकर पूरे राज्य में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। धनबाद की मेयर सीट के चुनाव को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है। यहां भाजपा विधायक रागिनी सिंह के पति संजीव सिंह चुनाव मैदान में उतर आए हैं। संजीव सिंह भाजपा समर्थित उम्मीदवार के खिलाफ मैदान में हैं, जिससे मुकाबला दिलचस्प हो गया है। चास नगर निगम के चुनावी रण में भी सियासी विरासत की परीक्षा है।

पूर्व मंत्री स्वर्गीय समरेश सिंह की बड़ी बहू परिंदा सिंह मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा नेता रितू रानी सिंह, अरविंद राय, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष उमेश गुप्ता और मो. सुल्तान जैसे दावेदार हैं। चास में मुकाबला बहुकोणीय होता जा रहा है। मानगो नगर निगम में भी रिश्तों की राजनीति खुलकर सामने आई है। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरी हैं, जबकि पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव की पत्नी कुमकुम श्रीवास्तव भी चुनावी रण में डटी हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ह्न नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

एक नजर

मणिपुर के चुराचांदपुर में बंद से जनजीवन अस्त-व्यस्त

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में शुक्रवार को सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। कई आदिवासी संगठनों ने राज्य सरकार के गठन में कुकी-जो समुदाय के विधायकों की भागीदारी के विरोध में पूरे जिले में बंद का आह्वान किया था। कुकी-जो आबादी वाले इस पहाड़ी जिले में बंद के कारण हालात तनावपूर्ण बने रहे। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को तेंगनौपाल और अन्य पहाड़ी जिलों में भी विरोध रैलियां निकाली गईं। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लाठियां लिए प्रदर्शनकारियों ने चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के कुछ इलाकों में वाहनों को रोक दिया। बंद के दौरान सरकारी और निजी कार्यालय, दुकानें, बाजार, बैंक और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी लगभग पूरी तरह ठप रही। कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (केएसओ), कुकी विमेन ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स, जॉइंट फोरम ऑफ सेवन (जेएफ7) और अन्य कुकी-जो आदिवासी संगठनों ने चुराचांदपुर जिला मुख्यालय में 24 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया था। स्थिति को देखते हुए जिले और अन्य पहाड़ी इलाकों में बड़ी संख्या में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। केएसओ और केड्ब्लूओएचआर ने शुक्रवार दोपहर को सरकार गठन में कुकी-जो विधायकों की भागीदारी के विरोध में एक बड़ी रैली भी निकाली।

कोलकाता आरजी कर वित्तीय अनियमितता मामला: ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

कोलकाता। कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितताओं के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी चार्जशीट दाखिल की है। अपनी चार्जशीट में ईडी ने दो निजी विक्रेताओं, बिप्लब सिन्हा और सुमन हाजरा, को भी मामले में आरोपी लाभार्थी के रूप में नामित किया है। आरजी कर को दवाएं और चिकित्सा उपकरण सप्लाई करने वाली एजेंसी हाजरा मेडिकल को भी ईडी की चार्जशीट में नामित किया गया है। ईडी के अलावा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी आरजी कर वित्तीय अनियमितता मामले में जांच कर रही थी। सीबीआई ने बलात्कार और हत्या के मामले के पीछे ह्यबड़ी साजिशह्व की भी जांच की। सीबीआई ने पहले ही वित्तीय अनियमितता मामले में अपनी चार्जशीट दायर कर दी थी। शुक्रवार को ईडी ने अपनी पहली चार्जशीट दायर की। सीबीआई की तरह ईडी ने भी आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को वित्तीय अनियमितताओं में मुख्य आरोपी बनाया है। आरजी कर में वित्तीय अनियमितता मामले में मुख्य आरोपों में टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर, राज्य लोक निर्माण विभाग को दरकिनार करते हुए निजी एजेंसियों को इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्ट्रैक्ट देना और पोस्टमार्टम के लिए लाए गए अज्ञात शवों से कथित तौर पर अंग बेचना शामिल है। पहले दायर सीबीआई चार्जशीट में केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने आरोपी, विशेष रूप से संदीप घोष की संपत्ति में आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में उनकी नियुक्ति के बाद महत्वपूर्ण और तेजी से वृद्धि पर प्रकाश डाला था। सीबीआई ने उन्हें कथित घोटाले के पीछे मास्टरमाइंड के रूप में भी माना। अपनी चार्जशीट में सीबीआई ने बताया कि संदीप घोष ने कथित तौर पर आरजी कर मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के लिए आने वाले अज्ञात शवों से अंग बेचकर कैसे वित्तीय लाभ कमाया।

जांचकताओं ने पाया कि 2021 से प्रति वित्तीय वर्ष

सपने न देखना क्राइम है, उन पर दृढ़ रहना जरूरी : पीएम मोदी

बोर्ड परीक्षाओं से पहले छात्रों को मिला पीएम मोदी का मार्गदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार सुबह परीक्षा पे चर्चा के दौरान छात्रों से बातचीत की और कहा कि ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि सुविधा होगी तभी क्षमता आएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सोच सही नहीं है। हमारे देश में बोर्ड परीक्षा में छोटे-छोटे गावों के बच्चे अच्छे अंक हासिल कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर देखे गए एक वीडियो का भी जिक्र बच्चों से किया। उन्होंने कहा कि इस वीडियो में एक व्यक्ति बैलगाड़ी में सामान भर कर रोजी रोटी कमाने के लिए जा रहा था। वहीं बैलगाड़ी के ऊपर उनका बच्चा सामान के ऊपर पूरे ध्यान से पढ़ाई कर रहा था। यानी वह बच्चा कंफर्ट की चिंता नहीं कर रहा था। बच्चों ने अपने सपनों के विषय में भी प्रधानमंत्री से प्रश्न किए।

लद्दाख की एक छात्रा ने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या बच्चों को बड़े सपने देखने चाहिए और सपनों को कैसे पूरा करें। इसके जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि सपने न देखना तो क्राइम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लेकिन सपनों को गुनगुनाते रहना कभी काम नहीं आता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को बताया कि जीवन में सदैव कर्म को प्रधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं जहां हूं वहां मुझे सफल होना है, तभी मैं आगे जाऊँगा।

उन्होंने कहा कि अपने सपनों से जुड़े विषयों पर धीरे-धीरे रुचि बढ़ानी चाहिए और उनपर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों

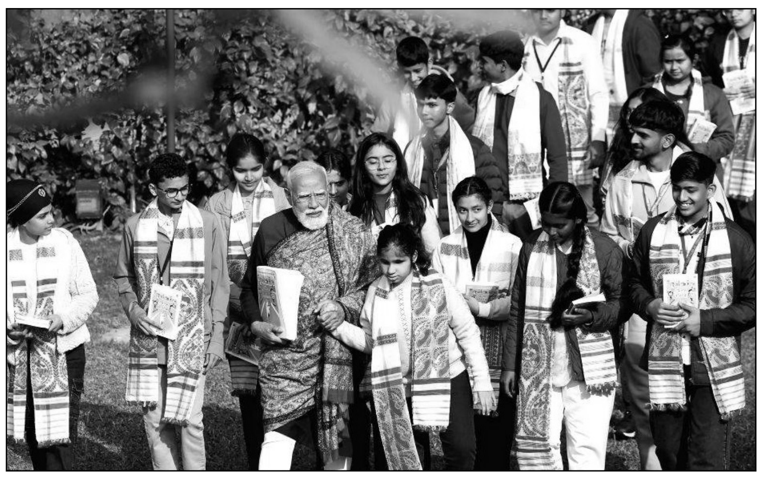

से कहा कि हमें अपने मन के सपनों को हर किसी के आगे नहीं बोलते रहना चाहिए, लेकिन उन पर दृढ़ रहना चाहिए और उनको लिखकर रखना चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों को संबंधित विषय से जुड़े लोगों की बायोग्राफी पढ़ने की सलाह भी दी।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से वैदिक मैथ पर भी बात की। दरअसल जब कुछ छात्रों ने गणित की तैयारी पर प्रधानमंत्री से प्रश्न किए तो प्रधानमंत्री ने उन्हें वैदिक मैथ के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने वैदिक मैथ से सीखने की सलाह दी। गौरतलब है कि छात्रों के मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पुस्तक ह्यएग्जाम वॉरियर्सह्व भी लिखी है। इस पुस्तक का उद्देश्य युवाओं व छात्रों में परीक्षा के तनाव को कम करना है। पुस्तक में बताया गया है कि परीक्षा को कैसे एक उत्सव के रूप में लेना चाहिए। यह पुस्तक व्यावहारिक सुझावों के माध्यम से तनावमुक्त रहने व सफलता का मार्ग बताती है।

कई शिक्षाविद मानते हैं कि इस पुस्तक के माध्यम से प्रधानमंत्री ने शिक्षा के प्रति एक सकारात्मक और दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। इसमें छात्रों के ज्ञान और समग्र विकास को प्राथमिक महत्व दिया जाता है। प्रधानमंत्री हर किसी से परीक्षाओं को सही परिप्रेक्ष्य में रखने का आग्रह करते हैं, बजाय इसके कि इसे जीवन और मौत की स्थिति में अनावश्यक तनाव और दबाव की वजह बनाया जाए।

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का यह 9वां संस्करण था। यह संवाद कार्यक्रम कक्षा 6 और उससे ऊपर के छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए था। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 4 करोड़ 50 लाख 13,379 लोगों ने परीक्षा पे चर्चा का हिस्सा बनने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें छात्र, शिक्षक व अभिभावक शामिल हैं। शुक्रवार को आयोजित इस संवाद कार्यक्रम को हजारों विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम को लाइव देखने की समुचित व्यवस्था की गई थी।

इस संवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री सभी से यह आग्रह करते आए हैं कि परीक्षाओं को

‘परीक्षा पे चर्चा’ की नेताओं ने की जमकर सराहना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बोर्ड परीक्षाओं से पहले छात्रों के साथ संवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं ने सराहना की है। ‘परीक्षा पे चर्चा’ का कार्यक्रम संसद भवन के बाल योगी ऑडिटोरियम में भी रखा गया, जहां छात्रों के साथ मंत्रियों और भाजपा सांसदों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर कहा, छोटी-छोटी बातों के माध्यम से उन्होंने बहुत बड़ी-बड़ी कल्पना को जन्म दिया है। वे लगातार बच्चों से रूबरू होते हैं। इस बार देश के अनेक भागों में जाकर उन्होंने इस चर्चा को आगे बढ़ाया है। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की वाकई में बहुत अनोखी और आकर्षक अभिव्यक्ति करने की शैली है। जिन्होंने कार्यक्रम को देखा है, उन्होंने महसूस किया है। मुझे यह भी खुशी होती है कि हमने प्रधानमंत्री मोदी को सुना और छात्रों के माध्यम से देश की एक तस्वीर देखी। कार्यक्रम में जिन बच्चों ने भाग लिया, उनमें जिज्ञासा, हुनर और सीखने की क्षमता है। यह छात्रों के लिए भी खास पल रहा कि वे प्रधानमंत्री आवास पर खुद पीएम मोदी से रूबरू हुए और उनसे सवाल पूछे। ‘परीक्षा पे चर्चा’ के बारे में जयंत चौधरी ने कहा, पीएम मोदी भी अपने अनुभव को साझा करते हैं। ये सिर्फ छात्रों और शिक्षकों, मंत्रालय के अधिकारियों और सांसदों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देशवासियों के लिए अनोखा अवसर होता है। जीवन पद्धति कैसी हो और कैसे अच्छे नागरिक बन सकते हैं, इस बारे में भी पीएम मोदी ने कई बातें कहीं। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कार्यक्रम के बारे में कहा, कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों को समझाया कि परीक्षा से जुड़े तनाव और डर से कैसे निपटा जाए, मनोवैज्ञानिक दबाव उन पर कैसे असर डालता है, अभिभावक उनका कैसे साथ दे सकते हैं और सफलता पाने के कई टिप्स भी बताए। बीजेपी सांसद राजकुमार चाहर ने ‘परीक्षा पे चर्चा’ पर कहा, यह कार्यक्रम हर वर्ष होता है और छात्रों को इसका इंतजार तो रहता ही है, हम लोगों को भी इसका इंतजार रहता है। जीवन की कला, जीवन में कैसे निर्णय लें और कैसे आगे पढ़ें, बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

यूपी में लावारिस कुत्तों से निजात दिलाएंगे शेल्टर होम और एबीसी सेंटर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में लावारिस कुत्तों की समस्या और डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं को सरकार ने गंभीरता से लिया है। जन सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे पर सख्त व ठोस कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने नगर निगमों एवं जनपद मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम व एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर की स्थापना प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन स्तर पर इसे प्राथमिकता देते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाही एक साथ आगे बढ़ाई जा रही है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गाइडलाइंस जारी की थीं। राज्य सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि लावारिस कुत्तों की समस्या का समाधान मानवीय, वैज्ञानिक व स्थायी तरीके से किया जाए। सरकार का मानना है कि डॉग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की प्रभावी व्यवस्था से जहां एक ओर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, वहीं दूसरी ओर पशु कल्याण को भी मजबूती मिलेगी। नगर निगम क्षेत्रों में पहले से संचालित अथवा प्रस्तावित एबीसी सेंटरों के साथ ही डॉग शेल्टर होम विकसित किए जाएंगे। इसके लिए प्रत्येक नगर निगम को निर्देशित किया गया है कि वह उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराए और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करे। शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस व पशु कल्याण से जुड़े मानकों के अनुरूप की जा रही है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि डॉग शेल्टर होम के लिए अलग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार प्रति शेल्टर होम 470 लाख रुपए से लेकर 531 लाख रुपए तक लागत आने का अनुमान है। डीपीआर में शेल्टर होम की क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पशु चिकित्सा सुविधाएं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है।

शासन स्तर पर इन डीपीआर को

प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति मनोबल टूटने पर ही अपशब्द बोलेगा : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति यदि अपशब्द और असत्य बोलने लगता है तो इसका सीधा मतलब यही होता है कि उनमें कोई हताशा है जिसके कारण उनका मनोबल टूट गया है।

श्री खरगे ने प्रधानमंत्री के राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर गुरुवार को दिये गये जवाब पर एक वीडियो पोस्ट में शुक्रवार को कहा कि श्री मोदी ने 97 मिनट पर अपना भाषण दिया और इसमें वह सब असत्य ही दोहराते रहे हैं। जब हमने अभिभाषण पर अपनी बातें रखी उनका भी प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया। वह सिर्फ 100 साल.. 75 साल.. 50 साल की बात करते रहे। इसका मतलब यही है कि श्री मोदी के पास हमारे पूछे गए सवालों का जवाब देने की शक्ति ही नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि श्री मोदी कांग्रेस पर सिखों का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं जबकि सच यह है कि उन्होंने खुद सिखों का अपमान किया है। श्री मोदी ने खुद पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अपमान किया था। दरअसल सिखों का अपमान तो प्रधानमंत्री ने किया है। श्री मोदी ने कहा कि हमने सिखों का अपमान किया। मतलब सदन के बाहर दो लोगों की बातचीत हुई, उसे सिखों का अपमान कह दिया गया। उनका कहना था कि कांग्रेस सिखों का बहुत आदर करती है, कांग्रेस सरकार में डॉ. मनमोहन सिंह वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन श्री मोदी न सिखों का आदर करते हैं, न दलितों का और न ही आदिवासियों का।

श्री खरगे ने ' ये बातें दिखाती हैं कि श्री मोदी का मनोबल टूट चुका है, उनकी रौनक कम हो गई है। वे कहते हैं मुझे गालियां देते हैं, दो किलो गालियां दीं, एक कुंतल गालियां दीं तो क्या गालियां तोलते हैं। उन्होंने मुझे तो बहुत गालियां दी हैं। और खुद के लिए कहते हैं दो-दो किलो, एक-एक कुंतल गालियां मुझे देते हैं और ये क्या है। प्रधानमंत्री पद पर बैठा इंसान अगर लोकतंत्र और देश के लिए अपशब्द कहे, तो ये अच्छी बात नहीं है।"

उन्होंने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की पुस्तक के अंश पढ़ने नहीं देने का भी जिक्र किया और कहा "वे कहते हैं कि किताब छपी ही नहीं है। जब नरवणे जी की किताब हमें मिल गई, तो सत्ता में बैठे लोगों को कैसे नहीं मिली। वे संसद में कह रहे हैं कि किताब अभी प्रकाशित ही नहीं हुई है। अमित शाह हो या राजनाथ सिंह... सभी ने बार-बार किताब न होने की बात की, लेकिन असलियत में किताब मौजूद है। जब नरवणे जी की किताब के बारे में राहुल गांधी ने संसद में बोला, तो पूरे सत्ता पक्ष को जाने क्यों बुरा लगा।

मैं उनसे कहना चाहता हूं कि पहले सच सुनिए फिर जवाब

मेघालय कोयला खदान हादसा: हाईकोर्ट ने खदान मालिकों की गिरफ्तारी का दिया आदेश

शिलांग, एजेंसी। मेघालय में अवैध कोयला खदानों के लगातार चलने पर सख्त रुख अपनाते हुए हाई कोर्ट ने ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में एक कथित अवैध खनन स्थल पर हुए जानलेवा विस्फोट के सिलसिले में तुरंत गिरफ्तारी का आदेश दिया है। विस्फोट में 18 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

जस्टिस एचएस थांगख्यू और जस्टिस डब्ल्यू डिंगडोह की डिवीजन बेंच ने थांगस्कू इलाके में हुए विस्फोट से संबंधित मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई कि 14 जनवरी को हुई एक जानलेवा घटना के बावजूद जिले में अवैध कोयला खनन गतिविधियां अभी भी जारी हैं, जो खनन प्रतिबंधों और कोर्ट के निर्देशों का लगातार उल्लंघन दर्शाता है।

बेंच ने जिला प्रशासन और पुलिस को बिना किसी देरी के कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने ईस्ट जयंतिया हिल्स के

डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक को खदान मालिकों, ऑपरेटरों और कथित अवैध खनन कार्यों में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया।

इसने अधिकारियों को खनन गतिविधि से जुड़े सभी उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त करने का भी निर्देश दिया। तत्काल राहत उपायों की आवश्यकता पर जोर देते हुए हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी प्रभावित व्यक्तियों, जिनमें घायल भी शामिल हैं, को जहां भी संभव हो, तत्काल चिकित्सा सहायता और आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।

साथ ही, बेंच ने ईस्ट जयंतिया हिल्स के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक को 9 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने के लिए बुलाया।

अधिकारियों से अब तक उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण देते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, जिसमें की गई गिरफ्तारियां, की गई जब्ती और जिले में अवैध कोयला खनन को जारी रखने से रोकने के लिए अपनाए गए उपाय शामिल हैं।

कोर्ट ने अधिकारियों से यह भी स्पष्टीकरण मांगा कि पिछली घटनाओं और मौजूदा कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद ऐसी प्रतिबंधित गतिविधियों को जारी रखने की अनुमति कैसे दी गई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मेघालय सरकार ने घटना की गहन जांच का आदेश दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि जवाबदेही तय की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

राजस्थान हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, जांच जारी

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतिहात के तौर पर परिसर को खाली कराया गया।

धमकी मिलने के बाद हाई कोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने पुलिस को अलर्ट किया, जिसके बाद बम डिस्पोजल और डॉग स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया।

अधिकारियों के मुताबिक, हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार को दिन में पहले एक ईमेल मिला था जिसमें दावा किया गया था कि कोर्ट परिसर के अंदर तीन शक्तिशाली आरडीएक्स बम लगाए गए हैं।

धमकी को गंभीरता से लेते हुए जयपुर बेंच में कोर्ट की कार्यवाही तुरंत रोक दी गई। सुरक्षा एजेंसियों ने कोर्टरूम, जजों के चैंबर और वकीलों के चैंबर सहित पूरे परिसर की अच्छी तरह से तलाशी ली। बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के बाद, वकीलों और मुवक्किलों के लिए एंट्री फिर से खोल दी गई। इसके बाद जयपुर हाई कोर्ट में कोर्ट की कार्यवाही फिर से शुरू हो गई।

हवाई यात्रियों के अधिकारों, मछुआरों और पशु कल्याण पर प्राइवेट मेंबर बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। विभिन्न दलों के सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा में जन साधारण से जुड़े मुद्दों पर प्राइवेट मेंबर बिल रखे। इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीन अहम विषयों से संबंधित निजी विधेयक सदन में पेश किए। इन विधेयकों का मकसद आम लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं को कानून के जरिए हल करना है। इनमें हवाई यात्रियों के अधिकार, कर्मचारियों का कार्यस्थल पर शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से ध्यान रखने और पशु कल्याण जैसे मुद्दे शामिल हैं।

वहीं, राज्यसभा सांसद बीधा मस्थान राव यादव ने मछुआरों के कल्याण और मत्स्य उद्योग के विकास से जुड़ा बिल पेश किया। शिवसेना यूबीटी से सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सबसे पहले हवाई यात्रा करने वाले लोगों के हित में एक निजी विधेयक राज्यसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हवाई सफर आम लोगों के लिए जरूरी हो गया है, लेकिन यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस विधेयक का उद्देश्य हवाई यात्रियों के अधिकारों को साफ तौर पर तय करना और उनकी रक्षा करना है। इसमें यह सुनिश्चित करने की बात कही गई है कि एयरलाइंस मनमाने ढंग से किराया न बढ़ाएं, यात्रियों को जरूरी बुनियादी सुविधाएं मिलें और कंपनियां अनुचित मुनाफा न कमाएं। विधेयक में यह भी प्रावधान करने की बात कही गई है कि अगर फ्लाइट बिना वजह देर से होती है या यात्रियों का सामान खो जाता है या खराब हो जाता है तो उन्हें उचित मुआवजा मिले। कुल मिलाकर इसका मकसद हवाई यात्रा को सस्ता, सुविधाजनक और पारदर्शी बनाना है। वहीं, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे कर्मचारियों के हित में भी निजी विधेयक पेश किया। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में लोग पूर्णकालिक, अस्थायी और कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे हैं, लेकिन उनके काम के घंटे, छुट्टियां और मानसिक सेहत को लेकर कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। इस विधेयक में काम के घंटों की सीमा तय करने, नियमित छुट्टियां देने, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेने और उचित वेतन व मुआवजे की व्यवस्था करने की बात कही गई है। चतुर्वेदी का कहना था कि लगातार बढ़ता काम का दबाव कर्मचारियों की सेहत और पारिवारिक जीवन दोनों पर असर डाल रहा है, इसलिए एक ऐसा कानून जरूरी है जो कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल दे। प्राइवेट मेंबर बिल के जरिए प्रियंका चतुर्वेदी ने पशुओं से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को भी उठाया।

उन्होंने कहा कि देश में पालतू और घरेलू पशुओं के प्रजनन पर कोई सख्त नियंत्रण नहीं है, जिससे कई बार पशुओं के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान होता है।

रिचा इंडस्ट्रीज घोटाला: ईडी ने अरविंद कुमार को किया गिरफ्तार, 8 दिन की हिरासत

गुरुग्राम, (वेब वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने रिचा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) से जुड़े बहुचर्चित बैंक घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कंपनी के पूर्व रेजोल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। अरविंद कुमार दिसंबर 2018 से जून 2025 तक रिचा इंडस्ट्रीज के आरपी के तौर पर कार्यरत थे। उन्हें 3 फरवरी 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के बाद अरविंद कुमार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उन्हें 8 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। इससे पहले इस मामले में रिचा इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रमोटर और निलंबित प्रबंध निदेशक संदीप गुप्ता को भी पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है।

ईडी ने यह जांच सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। सीबीआई ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट), 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक कदाचार के आरोपों में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि वर्ष 2015 से 2018 के बीच अभियुक्तों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को करीब 236 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया और खुद को अवैध रूप से लाभ पहुंचाया।

ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि अरविंद कुमार ने रेजोल्यूशन प्रोफेशनल के पद पर रहते हुए निजी लाभ के लिए कंपनी के फंड का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया। जांच के अनुसार, उनके कार्यकाल के दौरान रिचा इंडस्ट्रीज लिमिटेड से बड़ी रकम को परतदार (लेयर्ड) लेन-देन के जरिए उनके करीबी व्यक्तियों, सहयोगियों और कर्मचारियों से जुड़ी संस्थाओं को ट्रांसफर किया गया। इन मध्यस्थों के माध्यम से रकम वापस अरविंद कुमार के निजी बैंक खातों में पहुंचाई गई।

मुख्यमंत्री ने डीटीसी को 1,200 करोड़ के अनुदान को दी मंजूरी, हजारों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिली बड़ी राहत

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के हजारों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देने के अलावा आधुनिक तकनीक से यातायात को सुगम बनाने के लिए 1,200 करोड़ रुपये के अनुदान को मंजूरी दी है। इस राशि का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि वित्त विभाग द्वारा जारी किए गए 1,200 करोड़ रुपये के अनुदान में से 1,100 करोड़ रुपये सीधे तौर पर कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, पेंशन और अन्य देयताओं के लिए आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि डीटीसी और उसके कर्मचारी दिल्ली की लाइफलाइन हैं। यह राशि उनके और उनके परिवारों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगी ताकि उन्हें समय पर भुगतान मिल सके।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ, परिवहन व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत दो महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाओं पर काम होगा। इनमें एडवांस्ड ट्रैफिक सिस्टम (एटीएस): यातायात को सुगम बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग और राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के अंतर्गत कमर्शियल ई-व्हीकल चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास शामिल है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह कदम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर ले जाने की दिशा में बड़ा संकल्प है। सरकार का यह भी लक्ष्य है कि दिल्ली की सड़कों पर सुरक्षित, प्रदूषण मुक्त और विश्वस्तरीय परिवहन उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि डीटीसी केवल बसों का बेड़ा नहीं है, बल्कि यह दिल्ली के लाखों नागरिकों के जीवन को गति देने वाली धमनियां हैं।

इस व्यवस्था को सुचारू रखने वाले हमारे हजारों चालक, परिचालक और कर्मचारी दिन-रात मेहनत करते हैं। हमने सुनिश्चित किया है कि हमारे बुजुर्ग पेंशनभोगियों और वर्तमान कर्मचारियों को कभी अपनी मेहनत की कमाई के लिए इंतजार न करना पड़े।

बजट 2026-27 शक्ति निर्माण का दस्तावेज, लोकलुभावनता से आगे की सोच: हंसराज सुमन

नई दिल्ली, एजेंसी। जाने-माने शिक्षाविद हंसराज सुमन ने कहा कि बजट 2026-27 को केवल आय-व्यय का गणितीय लेखा मानना उसके साथ अन्याय होगा। उनके अनुसार यह बजट उस वैचारिक बदलाव का संकेत है, जिसमें भारतीय राज्य स्वयं को कल्याणकारी प्रबंधक से आगे बढ़ाकर रणनीतिक राष्ट्र-निमार्ता के रूप में स्थापित करना चाहता है। बजट में भावनात्मक घोषणाओं या तात्कालिक राजनीतिक संतुष्टि के बजाय संरचनात्मक शक्ति निर्माण पर जोर स्पष्ट दिखता है।

सुमन ने कहा कि इस बजट का केंद्रीय सूत्र 'एक्शन ओवर एम्बिवेलेंस' है, यानी अब नीति-घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस क्रियान्वयन पर फोकस किया गया है। शिक्षा, रक्षा, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय-हर क्षेत्र में खर्च बढ़ाने से अधिक क्षमता गढ़ने की प्राथमिकता दिखाई देती है। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में लगभग 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य, मध्यम मुद्रास्फीति और नियंत्रित राजकोषीय घाटा एक परिपक्व आर्थिक नीति का संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि 2026-27 के लिए 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य केवल संख्या नहीं, बल्कि आर्थिक-राजनीतिक संदेश है। ऋण-जीडीपी अनुपात को 2030 तक 50 प्रतिशत के आसपास लाने का उद्देश्य यह दशार्ता है कि सरकार लोकप्रियता से अधिक स्थिरता को महत्व दे रही है, ताकि शिक्षा और रक्षा जैसे सामाजिक क्षेत्रों को दीर्घकालिक नुकसान से बचाया जा सके।

शिक्षा बजट पर टिप्पणी करते हुए सुमन ने कहा कि इस बार शिक्षा को सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता का आधार माना गया है। विश्वविद्यालय टाउनशिप, औद्योगिक गलियारों से शोध का जुड़ाव, स्टेम संस्थानों में छात्राओं के लिए छात्रावास और डिजिटल नॉलेज ग्रिड जैसी पहलें मानव पूंजी निवेश की सोच को दशार्ती हैं। साथ ही 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज' समिति का गठन डिग्रीधारी बेरोजगारी की समस्या को स्वीकार कर समाधान की दिशा में कदम है।

रक्षा बजट को उन्होंने इस दस्तावेज का सबसे रणनीतिक हिस्सा बताया। लगभग छह लाख करोड़ रुपये का व्यय केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि औद्योगिक नीति का विस्तार है। आयात निर्भरता घटाकर घरेलू विनिर्माण, अनुसंधान और उच्च-कौशल रोजगार को बढ़ावा देना राष्ट्रीय संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा कदम है। शिक्षा और रक्षा के संयुक्त दृष्टिकोण से यह बजट बौद्धिक-सैन्य पारिस्थितिकी की नींव रखता है।

अंत में सुमन ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय-अवसंरचना, रेल गलियारे, जलमार्ग और ऊर्जा सुरक्षा-इस पूरी रणनीति का आधार है। उनके मुताबिक बजट 2026-27 गरीबी प्रबंधन का नहीं, बल्कि शक्ति निर्माण का दस्तावेज है, जो भारत को केवल अस्तित्व से आगे बढ़ाकर नेतृत्व की ऐतिहासिक दिशा में ले जाने का संकेत देता है।

नालों के किनारे खुले खतरनाक स्थानों पर लगाए जा रहे सीमेंट के बैरियर

नई दिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी में हुए दर्दनाक हादसे के बाद सड़क किनारे नालों की सुरक्षा को लेकर लोक निर्माण विभाग ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिन स्थानों पर नालों की दीवारें टूटी हुई हैं या खुले होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई है, वहां सीमेंट के बैरियर लगाकर तात्कालिक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जनकपुरी हादसे के बाद विभिन्न इलाकों से नालों के किनारे खुले और जर्जर हिस्सों की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी जोनों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे खतरनाक स्थानों की पहचान कर तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करें। इसके तहत नालों के किनारे सीमेंट के मजबूत बैरियर लगाए जा रहे हैं, ताकि वाहन या राहगीर अनजाने में नाले में न गिरें। वेस्ट विनोद नगर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित नाले की दीवार लंबे समय से टूटी हुई थी। यहां से गुजरने वाले वाहनों के नाले में गिरने का खतरा बना हुआ था। स्थानीय लोगों द्वारा ध्यान दिलाए जाने के बाद लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई करते हुए वहां सीमेंट के बैरियर लगाकर स्थान को सुरक्षित बना दिया है। इसी तरह आईपी एक्सटेंशन की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग के अंडरपास के पास नाले के किनारे खुले हिस्से को भी बैरियर लगाकर बंद किया गया है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नालों की नियमित सफाई के दौरान कई बार दीवारें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे ऐसे खुले और खतरनाक स्थान बन जाते हैं। इन स्थानों की पहचान कर वहां तुरंत सीमेंट के बैरियर लगवाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके। अधिकारी ने यह भी कहा कि स्थायी मरम्मत की प्रक्रिया बाद में की जाएगी, लेकिन फिलहाल लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोक निर्माण विभाग की इस पहल से स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस तरह के कदम उठाए जाते रहें, तो सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है और आम जनता की जान की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

दिल्ली के लिए बड़ी सौगात बनेगी 'भारत टैक्सी' योजना : श्रीदत्त शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा ने कहा है कि केंद्र और दिल्ली सरकार की साझा पहल से शुरू की गई 'भारत टैक्सी' योजना राजधानी की जनता के लिए बड़ी सौगात साबित होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की ट्रिपल इंजन सरकार लगातार जनहित में नई और लाभकारी योजनाएं ला रही है, जिन्हें केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। शर्मा ने बताया कि देश की पहली सरकारी कैब टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का आधिकारिक शुभारंभ 5 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐप लॉन्च करते हुए कहा कि इस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ड्राइवरों को किसी भी प्रकार का कमीशन नहीं देना होगा। चालक स्वयं इस प्लेटफॉर्म के हिस्सेदार और मालिक होंगे, जबकि यात्रियों को कम किराए में यात्रा की सुविधा मिलेगी और पीक आवर्स में भी किराया नहीं बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि 'भारत टैक्सी' 'सारथी ही मालिक' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें वाहन चालक ही प्लेटफॉर्म का स्वामी होता है, न कि कोई बड़ी निजी कंपनी। इसका उद्देश्य ओला और उबर जैसी निजी कैब सेवाओं की मनमानी पर अंकुश लगाना है। इस सेवा का ट्रायल नई दिल्ली और गुजरात के राजकोट में किया गया था, जो पूरी तरह सफल रहा। श्रीदत्त शर्मा ने कहा कि यह योजना न केवल निजी कैब कंपनियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देगी, बल्कि यात्रियों को सर्ज प्राइसिंग से राहत और ड्राइवरों को उनकी मेहनत की पूरी कमाई का अधिकार दिलाएगी। उन्होंने बताया कि भारत टैक्सी देश का पहला सहकारी आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे एनसीडीसी, इफको, अमूल (जीसीएमएमएफ), कृभको, नेफेड, नाबार्ड, एनडीडीबी और एनसीईएल सहित आठ सहकारी संस्थाओं के सहयोग से तैयार किया गया है।

पूर्वी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों पर बढ़ा मरीजों का बोझ, स्टाफ की कमी से स्वास्थ्य व्यवस्था पर संकट

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के यमुनापार क्षेत्र में स्थित सरकारी अस्पताल इस समय गंभीर दबाव में हैं। घनी आबादी वाले इस इलाके में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जबकि अस्पतालों की बेड क्षमता और चिकित्सकीय स्टाफ आधा ही उपलब्ध है। स्वामी दयानंद अस्पताल, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल और गुरु तेग बहादुर अस्पताल में हालात यह हैं कि एक डॉक्टर को प्रतिदिन 100 से 200 मरीज देखने पड़ रहे हैं। नर्सिंग स्टाफ करीब 25 प्रतिशत कम है और कई विभागों में आवश्यक उपकरण व दवाइयों की भी कमी बनी हुई है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, पूर्वी दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में रोजाना 8 से 10 हजार मरीज ओपीडी और इमरजेंसी में पहुंच रहे हैं। स्वामी दयानंद अस्पताल में जहां 300 स्वीकृत बेड हैं, वहां प्रतिदिन 1,000 से अधिक मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की 500 बेड क्षमता के मुकाबले मरीजों की संख्या 2,000 से अधिक है। वहीं, दिल्ली के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश का भी भार संभालने वाले गुरु तेग बहादुर अस्पताल में 1,700 बेड के बावजूद 4,000 से ज्यादा मरीज भर्ती या उपचाराधीन रहते हैं, जिससे हर बेड पर अतिरिक्त मरीजों की स्थिति बन जाती है।

स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि डॉक्टरों के 20 से 25 प्रतिशत पद खाली हैं और इमरजेंसी में 24 घंटे की शिफ्ट में भी सीमित संख्या में चिकित्सक उपलब्ध रहते हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों की कमी के चलते कई बार मरीजों को इलाज के दौरान लापरवाही और देरी का सामना करना पड़ता है, जिससे गंभीर मामलों में जान का जोखिम भी बना रहता है।

बीते एक महीने में बीमारियों के बदलते पैटर्न ने अस्पतालों पर दबाव और बढ़ा दिया है। वायरल फीवर के मामलों में करीब 30 प्रतिशत, पेट से जुड़ी बीमारियों में 20 प्रतिशत और बच्चों में श्वसन रोगों के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बाल रोग और मेडिसिन विभाग सबसे अधिक प्रभावित हैं। स्थिति यह है कि करीब एक तिहाई मरीजों को दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन की जांच के लिए 3 से 5 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि खून की जांच में भी 2 से 3 दिन की देरी हो रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगले 3 से 6 महीनों में स्थायी डॉक्टरों की भर्ती, नर्सिंग स्टाफ की संख्या बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो पूर्वी दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था आपात स्थिति में पहुंच सकती है।

रामलीला मैदान से दिल्ली-पानीपत अंतरराज्यीय बस सेवा और 500 ईवी बसों की शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को रामलीला मैदान से 500 इलेक्ट्रिक बसों तथा दिल्लीझ्रपानीपत इंटर-स्टेट बस सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

इस मौके पर नितिन नवीन ने कहा कि दिल्ली की आकांक्षाओं को भाजपा सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि ठीक एक साल पहले आज ही के दिन दिल्ली की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया था और मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दिल्लीवासियों को 500 ईवी बसों का तोहफा दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार के प्रयासों से आज राजधानी में 4,000 ईवी बसें संचालित हो रही हैं। आम आदमी पार्टी ने जहां ईवी बसों की बात केवल कागजों में की, वहीं भाजपा सरकार ने उन्हें सड़कों पर उतारने का काम किया।

नितिन नवीन ने कहा कि पहले यमुना को नदी कहने में शर्म आती थी, लेकिन आज भाजपा सरकार ने उसे स्वच्छ बनाने का कार्य किया है। उन्होंने छठ पर्व के दौरान यमुना की सफाई के लिए मुख्यमंत्री और दिल्ली सरकार को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्लीवासियों को स्वास्थ्य कवच के रूप में आयुष्मान योजना लागू करने तथा अटल कैंटीन की शुरूआत कर अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली 4,000 ईवी बसों वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राजधानी की यातायात व्यवस्था को भी सुगम बना रही है। मुख्यमंत्री ने एक साल पहले भाजपा को बहुमत देने के लिए दिल्ली की जनता का आभार जताया और कहा कि उसी दिन विकसित दिल्ली की नींव पड़ी थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के 48 विधायक दिन-रात राजधानी के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, शिक्षा मंत्री आशीष सूद, कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की अध्यक्ष निहारिका राय सहित कई विधायक और पार्षद उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार की योजना अपने कुल बस बेड़े को 31 दिसंबर 2026 तक 6,000 बसों, 31 दिसंबर 2027 तक 7,500 बसों, 31 मार्च 2028 तक 10,400 बसों और 31 मार्च 2029 तक 14,000 बसों तक बढ़ाने की है। इस योजना के तहत 7 मीटर लंबाई की 500 बसों को ह्यलास्ट-माइल कनेक्टिविटीह्न को मजबूत करने के लिए तैनात किया जाएगा। इन बसों को दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि आवासीय, वाणिज्यिक और उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की बेहतर पहुंच सुनिश्चित हो सके।

एक नजर

जनकपुरी हादसे के बाद फरार मजदूर योगेश एटा से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिला पुलिस ने हादसे के बाद मौके से फरार हुए मजदूर/गार्ड योगेश को एटा उप्र से गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की एक टीम आरोपित को लेकर दिल्ली रवाना हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, योगेश हादसे के समय मौके पर मौजूद था और घटना के बाद वह वहां से भाग गया था। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने रविवार को बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपित ने दावा किया है कि उसने हादसे की जानकारी ठेकेदार को फोन पर दे दी थी। इसके बाद वह सो गया था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के तुरंत बाद योगेश एटा फरार हो गया था और शुरूआत से ही उसकी लोकेशन एटा में ट्रेस हो रही थी। आरोपित की लोकेशन मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम शनिवार देर शाम एटा के लिए रवाना हुई। तड़के पुलिस ने दबिश देकर योगेश को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपित को दिल्ली लाकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा, जिसके बाद उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए राजेश प्रजापति को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं मजिस्ट्रेट ने आगे की जांच के लिए आरोपित राजेश प्रजापति को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों और इसमें लापरवाही की भूमिका को लेकर जांच जारी है। पूछताछ के बाद मामले में और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

वसंत विहार में नौकर निकला चोर, बिहार से पकड़ा गया साथी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत विहार इलाके में घर से सोने-चांदी के गहने चोरी होने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के गहने भी बरामद किए। पकड़े गए आरोपितों में एक घरेलू नौकर है, जबकि दूसरा उसका साथी बिहार का रहने वाला है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 2 फरवरी को वसंत विहार थाने में चोरी की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता भवनिदीन ने बताया था कि उनकी पत्नी के सोने-चांदी के गहने घर से चोरी हो गए हैं। मामले की जांच शुरू की गई तो पुलिस को शक घर में काम करने वाले नौकर नरेश सिंह पर हुआ, जो उसी परिसर में रहता था। लंबी पूछताछ के दौरान नरेश सिंह टूट गया और उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर दो जोड़ी चांदी के बिछुए बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नरेश ने बताया कि चोरी किए गए बाकी गहने उसने अपने साथी राजू साह को दे दिए थे। आरोपित की जानकारी पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर बिहार के सीतामढ़ी जिले के रामनगर गांव में छापा मारा। वहां से सह-आरोपित राजू साह को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक सोने का हार, चार सोने के कंगन, चांदी की पायल, बिछुए, चांदी का कमरबंद और चांदी की ईंटें बरामद की हैं।

1200 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में दो कंपनी निदेशक भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। एक विशेष अदालत ने दिल्ली स्थित वैश्विक चावल ब्रांड कंपनी 'अमीरा प्योर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड' (एपीएफएल) के दो निदेशकों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। दोनों की 123 करोड़ की संपत्ति जब्त करने का आदेश भी दिया गया है। यह मामला 1200 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बताया कि सीबीआई ने 2022 में एपीएफएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक करण ए चनाना व पूर्णकालिक निदेशक अनीता डैंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंक समूह को 1205.85 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। ईडी इस मामले में धनशोधन जांच कर रही है। विशेष न्यायाधीश राजेश मलिक की अदालत में अधिकारियों ने बताया कि चनाना लंबे समय से यूके में, जबकि डैंग दुबई में रह रही हैं। दोनों ने ही मुकदमे से बचने के लिए भारत छोड़ दिया है। इसके चलते एजेंसियां कई कोशिश के बावजूद भी उन्हें कार्रवाई से जुड़े नोटिस नहीं दे पा रही हैं। ईडी ने यह भी बताया कि एपीएफएल वैश्विक चावल ब्रांड है, जिसका कारोबार अमेरिका, यूके, यूएई, जर्मनी, मॉरीशस आदि देशों में है। अदालत ने इस मामले में चनाना और डैंग को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने आरोपियों की 123 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का भी निर्देश दिया है।

एक साल की नाकामी पर जश्न शर्मनाक: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार दिल्ली में सत्ता का एक वर्ष पूरा होने का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है, जबकि राजधानी बदहाली, ध्वस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक लापरवाही से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टूटी सड़कों, खुले गड्ढों, गंदगी, प्रदूषण और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के अभाव के कारण बीते समय में करीब 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं जनवरी माह में 807 लोग-जिनमें अधिकांश महिलाएं और लड़कियां हैं-लापता हुए, फिर भी सरकार जश्न की तैयारी में लगी है। यादव ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में खुदाई के बाद गड्ढे बिना बैरिकेडिंग छोड़े गए हैं, जो जानलेवा साबित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कमल ध्यानी की मौत समेत कई घटनाएं सरकारी विभागों की लापरवाही का नतीजा हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि जश्न मनाने से पहले सरकार को भ्रष्टाचार, प्रदूषण, दूषित पेयजल, कमजोर कानून व्यवस्था और जनता की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ठोस कदम उठाने चाहिए।

जनकपुरी हादसा: रिटायर्ड हाईकोर्ट जज से जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा किए गए गड्ढे में गिरने से 25 वर्षीय बाइक सवार कमल की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि इसकी जांच दिल्ली उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जज से कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार की गठित उच्च स्तरीय जांच समिति में विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी से पक्षपात और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं, जिससे मामला दबाए जाने का खतरा है। यादव ने यह भी कहा कि मृतक परिवार का आरोप है कि वे रातभर थानों के चक्कर काटते रहे, फिर भी कोई मदद नहीं मिली और पुलिस 2 किलोमीटर की लोकेशन तक ट्रेस नहीं कर पाई, जो संदिग्ध है–इसलिए पुलिस की लापरवाही की भी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निलंबित कर देना समाधान नहीं है, क्योंकि प्राथमिक जांच में खुदाई स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया गया, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह दिल्ली जल बोर्ड की है। यादव ने पूर्व की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि राजधानी में प्रशासनिक लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है; बीते वर्षों में करंट, जलभराव, आग और भवन ढहने जैसी घटनाओं में कई मौतें हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियां छिपाने के लिए आनन-फानन में हेल्पलाइन जारी कर रही है, जबकि अदालत पहले ही हादसों में जिम्मेदार विभागों पर एफआईआर और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने के निर्देश दे चुकी है।

राणापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई ग्राम रजला में सट्टा लिखते 10 सटोरिए गिरफ्तार, 8020 नकद जब्त

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ डॉ. शिवदयाल सिहं के द्वारा अवैध गतिविधीयों में लिप्त अपराधियों के विरुध्द कार्यवाही करने हेतु सभी थाना प्रभारीयो को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु लगातार निर्देशित किया गया था, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपालसिहं महोबिया एवं अनुविभागीय अधिकारी झाबुआ श्रीमति रुपरेखा यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक श्री दिनेश रावत द्वारा पुलिस टीम बना कर अलग अलग स्थानो पर दबिश हेतु भेजा गया, थाना राणापुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक 03.02.2026 को सट्टा अंक लेख करते 02 बडी प्रभावी कार्यवाही कर आरोपियो के विरुध्द पृथक पृथक सट्टा अधिनियम में प्रकरण पंजीबध्द किये गये।

थाना राणापुर की पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर की सुचना मिली की ग्राम रजला एक बबुल के पेड के नीचे तुवर के खेत में आरोपीगण 1. मगु पिता अपसिंह वसुनिया उम्र. 55 साल निवासी ग्राम सिलखोदरी चौकी पारा, 2. लालु पिता पांगला मेडा उम्र. 50 साल निवासी ग्राम बलोला बडी, 3. प्रकाश पिता नगरसिंह भुरिया उम्र. 28 साल निवासी रजला,

4. बदेसिंह पिता दिता डामोर उम्र. 42 साल निवासी सजवानी छोटी, 5. जोखला पिता जवला परमार उम्र. 61 साल निवासी गुलाबपुरा के कब्जे से कुल पाँच सट्टा अकं पर्ची, पांच पैन व कुल नगदी 3460 रुपये जप्त कर आरोपीयो के विरुध्द अपराध क्रमांक 51/2026 धारा 4 क सट्टा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

2. थाना राणापुर की पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर की सुचना मिली की ग्राम रजला बबुल के पेड के नीचे मक्का के खेत के पास आरोपीगण 1. राजमल पिता गुलाबसिंह खराडी उम्र. 42 साल निवासी गुलाबपुरा, 2. गब्बु पिता तोलिया बामनिया उम्र. 25 साल निवासी बडी बलोला, 3. बुदरिया पिता थावरिया भाबोर उम्र. 50 साल निवासी आम्बा, 4.लालु पिता मिठु सिगाड़ उम्र. 47 साल निवासी पिथमपुर, 5.रमेश चन्द्र पिता अमृत लाल पंचाल उम्र. 61 साल निवासी खयडु बडी के कब्जे से कुल पाँच सट्टा अकं पर्ची , पांच पैन व कुल नगदी 4560 रुपये जप्त कर आरोपीयो के विरुध्द अपराध क्रमांक 52/2026 धारा 4 क सट्टा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

कुल जप्त मश्रुका

दस सट्टा अकं पर्ची , दस पैन व कुल नगदी 8020 रुपये नाम आरोपीः- 1. मगु पिता अपसिंह वसुनिया उम्र. 55 साल निवासी ग्राम सिलखोदरी चौकी पारा, लालु पिता पांगला मेडा उम्र. 50 साल निवासी ग्राम बलोला बडी, प्रकाश पिता नगरसिंह भुरिया उम्र. 28 साल निवासी रजला, बदेसिंह पिता दिता डामोर उम्र. 42 साल निवासी सजवानी छोटी, जोखला पिता जवला परमार उम्र. 61 साल निवासी गुलाबपुरा राजमल पिता गुलाबसिंह खराडी उम्र. 42 साल निवासी गुलाबपुरा, गब्बु पिता तोलिया बामनिया उम्र. 25 साल निवासी बडी बलोला, बुदरिया पिता थावरिया भाबोर उम्र. 50 साल निवासी आम्बा, लालु पिता मिठु सिगाड़ उम्र. 47 साल निवासी पिथमपुर, . रमेश चन्द्र पिता अमृत लाल पंचाल उम्र. 61 साल निवासी खयडु बडी सराहनीय कार्यः- उक्त सराहनीय कार्यवाही में थाना राणापुर प्रभारी निरीक्षक श्री दिनेश रावत , उपनिरीक्षक नीलिमा शर्मा , प्रधान आरक्षक 182 जितेन्द्र पुरी , प्रधान आरक्षक 384 गुलाबसिहं , प्रधान आरक्षक 119 जितेन्द्र , प्रधान आरक्षक 143 राजु रावत, प्रधान आरक्षक 129 भेरुसिहं अनारे, प्रधान आरक्षक 502 तेरसिहं अखाडिया, प्रधान आरक्षक 471 राजेनद्र आरक्षक 607 दिनेश भयडिया, आरक्षक 456 राकेश , आरक्षक 615 एलामसिंह , आरक्षक 175 कनसिहं, आरक्षक 150 प्रदीप, आरक्षक 296 प्रदीप एवं महिला आरक्षक 240 संगीता का महत्वपुर्ण योगदान रहा।

दौलतपुर में चोरी करते तीन चोर पकड़े गए, ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

अवे कुमार रंजन

बिहारः हाल के दिनों में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवो में चोरी की घटनाओं में बृद्धि को लेकर लोग चिंतित हो रहे हैं। इस बीच बुधवार की देर रात थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के युवाओ की सजगता से चोरी करने आये चार चोर को काफी दूर तक खदेड़ा गया। इस क्रम में तीन चोर को ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिया गया, जबकि एक भाग निकलने में सफल रहा। पकड़े गए सभी चोरों को डायल 112 को बुलाकर ग्रामीण द्वारा पुलिस को सौप दिया गया है। बताया गया कि पकड़े गए चोर आसपास के गांव के हैं।

बता दें कि 23 जनवरी को सौर पंचायत की दौलतपुर गांव में एक ही रात तीन चारो में चोरी की घटना घटी थी। जिसमें नकदी समेत लाखो रुपये के जेवरात तथा अन्य कीमती सामानों की चोरी हुई थी। तब से दौलतपुर के ग्रामीण युवा रतजग्गा कर चौकसी बरत रहे थे। इस क्रम में बुधवार की रात को पुनः चोरों ने दौलतपुर गांव में चोरी की नियत से घुसा था। सामानो की चोरी कर एकत्रित करते समय युवाओ द्वारा खदेड़ कर तीन चोर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जिसे गुरुवार की सुबह वारिसलीगंज पुलिस के डायल 112 की टीम को बुला कर सौप दिया गया है। जबकि एक माह पहले सिमरीडीह गांव में चोरों ने बन्द घर को निशाना बनाया था। जिसमें नकदी समेत करीब पांच लाख की चोरी की गई थी। गृहस्वामी नवादा में रहते थे। वही करीब एक सप्ताह पहले नप के माफी गांव में खुले में खड़ी तीन बाइक को चोर द्वारा चोरी कर ले जाया जा रहा था। दो बुलेट बाइक में तकनीकी गड़बड़ी के कारण स्टार्ट नहीं हो पाया। फलस्वरूप चोर दो बाइक को बधार में फेंक दिया। जबकि एक अपाची बाइक को ले भागने में सफल हुआ। इसके अलावे पिछले दो सप्ताह में चोर ने अन्य छोटी बड़ी कई चोरी की घटनाओ को अंजाम दे चुका है। चोरी की घट रही घटनाओं ने क्षेत्रवासियों के रातों की नींद उड़ा दिया है। इस बाबत पुलिस द्वारा पूछ ताछ का हवाला देते हुए पकड़े गए चोर की पहचान उजागर नहीं किया है। संभव है कि पुलिस गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर अन्य चोरों की गिरफ्तारी कर पायेगी।

बहुभोज से लौटते वक्त कोहरे में हादसा, एनएच-28 पर 3 युवकों की मौत

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेशः ग्रामीणों के अनुसार बहुभुज के दौरान आर्केस्ट्रा का आयोजन हुआ था। देर रात तक कार्यक्रम चलता रहा। कार्यक्रम खत्म होने के बाद शैलेश वर्मा अर्टिगा कार लेकर आया और सभी दोस्त गोरखपुर की ओर निकल पड़े। सुबह साढ़े तीन बजे कोहरे के बीच यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक नितेश के मामा ने आरोप लगाया कि नितेश और शैलेश के बीच पहले से अनबन थी और जानबूझकर लापरवाही बरती गई। वहीं परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि घना कोहरा और सड़क पर खड़े ट्रक हादसे की मुख्य वजह हैं। मृतक हरीश के बड़े पापा सरवन वर्मा ने बताया कि दुर्घटना में तीनों युवकों की मौत हुई है। जिसमें एक मेरे छोटे

भाई का लड़का है और दूसरा बड़े भाई का लड़का अस्पताल में भर्ती है। दो बच्चे और मरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि घर में बहुभोज का कार्यक्रम था।

रात में आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम भी था। यह लोग कार्यक्रम देखकर गोरखपुर जा रहे थे। तभी नेशनल हाईवे 28 पर हाटा के पास यह घटना घट गई। तीन लोग घटनास्थल पर ही मर गए है। दो को इलाज के लिए हाटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां इलाज के बाद दोनों की छुट्टी कर दी गई। जबकि दो लोगों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में इलाज चल रहा है। जहां मुकेश वर्मा की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीनों मृतक अगल-बगल के बिरादरी के ही हैं।

राम व कृष्ण जन्मोत्सव पर भावविभोर हुए श्रद्धालु

लिखित पंत

श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास आचार्य किशोर जोशी की मधुर वाणी को सुनने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। प्रातः पूजन एवं यजमान कथा के चौथे दिन की शुरूआत प्रातः काल मुख्य यजमानों द्वारा सविधि पूजन के साथ हुई। माधवी उप्रेती, गंगा प्रसाद एवं उमेश चंद्र उप्रेती ने आचार्य किशोर जोशी के सानिध्य में सवेरे की मुख्य पूजा-अर्चना संपन्न की। कथा के मुख्य प्रसंगः राम और कृष्ण जन्मोत्सव दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ हुई कथा में आचार्य किशोर जोशी ने भगवान के विभिन्न अवतारों का सजीव चित्रण किया। कथा के मुख्य आकर्षण निम्नलिखित रहेः

भक्त प्रह्लाद एवं नृसिंह अवतारः आचार्य ने बताया कि कैसे अटूट विश्वास के कारण भगवान ने खंभे से प्रकट होकर प्रह्लाद की रक्षा की और हिरण्यकश्यप का वध किया।

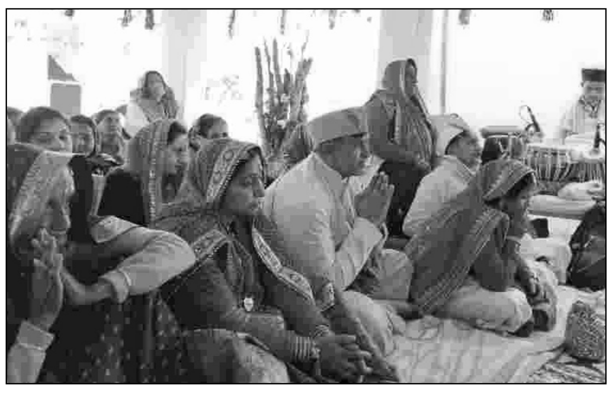

वामन अवतारः मन्वंतर कथाओं के अंतर्गत भगवान के वामन रूप द्वारा किए गए लोक कल्याणकारी कार्यों का वर्णन किया गया। राम जन्मः 'मयार्दा पुरुषोत्तम' भगवान श्री राम के जन्म और उनके आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला गया, जिससे पूरा पंडाल जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। कृष्ण जन्मोत्सवः कथा के अंत में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का प्रसंग आते ही श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे।

आचार्य किशोर जोशी का ऐतिहासिक पड़ाव विशेष उल्लेखनीय है कि यह आचार्य किशोर जोशी की 121वीं भागवत कथा है। उनके लंबे अनुभव और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ लेने के लिए दूर-दराज से भक्त गूंजन पुर पहुँच रहे हैं। भगवान के अवतारों की कथा हमें धर्म के मार्ग पर चलने और अधर्म के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती है।

एक नजर

कैट तहसील इकाई का गठन, पंकज जागेटिया बने अध्यक्ष

मुजफ्फर खान शेख/मध्य प्रदेशः व्यापारियों के राष्ट्र स्तरीय संगठन केट के जिला अध्यक्ष मुकेश जैन नाकोडा व जिला महामंत्री पंकज मोगरा की अनुशंसा से कैट इकाई रानापुर तहसील का गठन जिला उपाध्यक्ष कमलेश नाहर ,एवं कार्यकारिणी सदस्य संदेश सेठिया के सहयोग से सम्पन्न हुआ। राणापुर तहसील इकाई संरक्षक -मनोहरलाल सेठिया, गोपालकृष्ण हरसोला, राधाकिशन राठौड़, संजय अग्रवाल बनाये गए हैं। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष-पंकज जागेटिया व महामंत्री धर्मेश जैन को बनाया गया। उपाध्यक्ष वैभव अग्रवाल, विक्की सकलेचा, नितिन राठौड़, संचित कटारिया, लीलेश हरसोला को बनाया गया। मंत्री हरीश गाहरी, लखन उपाध्याय, मयंक राठौड़, हार्दिक पंचोली को बनाया गया। कोषाध्यक्ष सुनील राठौड़ होंगे। सह कोषाध्यक्ष-अनिल राठौड़ कुंदनपुर को बनाया गया। संगठन सचिव- आशीष सोनी मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी सदस्य-ललित जैन'सर्वोदय अंकित पोरवाल, ब्रजेश हरसोला, अनिल पंचाल बनाएं गए हैं।कैट जिला झाबुआ इकाई की ओर से मनोनीत कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

नवादा के न्यू अंसार नगर अंडरपास के पास फिर भीषण सड़क हादसा, स्पीड ब्रेकर की कमी बनी वजह

गुड्डू सिंह/बिहारः स्थानीय लोगों के अनुसार अंडरपास के आगे और पीछे कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण यहाँ आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह एक नीली कार तेज रफ्तार में आती है और ऑटो में जोरदार टक्कर मार देती है। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो मौके पर ही पलट जाती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अंडरपास के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर लगाए जाएँ, ताकि वाहनों की रफ्तार नियंत्रित हो सके। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएँ लगातार होती रहेंगी।

शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, स्विफ्ट कार से 312 लीटर विदेशी शराब की बरामद

पवन तिवारी/बिहारः बिहार में लागू शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी के खिलाफ बेतिया पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कालीबाग थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान शराब से लदी एक स्विफ्ट कार को जब्त किया गया, हालांकि तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहा। कालीबाग थानाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि लौरिया की ओर से एक संदिग्ध चार पहिया वाहन शराब लेकर बेतिया की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी शुरू कर दी।

पुलिस को देखते ही चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और भागने के प्रयास में स्टेशन चौक से छावनी ओवरब्रिज की ओर जा रही यूपी नंबर की एक इनोवा कार में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तस्कर मौके का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया।

मथुरा गेस्ट हाउस से नाबालिग लड़की बरामद, पुलिस जांच में जुटी

राहुल चौधरी

उत्तर प्रदेशः मथुरा के थाना कोतवाली इलाके में देर रात एक लव जिहाद का मामला सामने आया है जहां नागपुर की रहने बाली एक नाबालिग युवती को मुस्लिम समाज के लड़के के साथ गेस्ट हाउस के कमरे में हिन्दू महासभा की जिला अध्यक्ष छाया गौतम और उसके साथियों ने इस समय पकड़ लिया जब दोनों पति पत्नी बनकर लड़की का फर्जी आधार कार्ड लगाकर कमरे में रुके हुए थे जोकि नागपुर के रहने वाले थे और लड़की को बहला फुसलाकर ये शातिर जिहादी अपने प्रेम जाल में फांस कर भगा लिया था ,वहीं हिंदूवादी लोगों ने बताया कि ये लव जिहाद का मामला है, और लड़की नाबालिग है जबकि

दो मुस्लिम लड़के हमने यहां पकड़े है और इसमें कई जिहादी शामिल होने की आशंका है वहीं हमने इस लड़की की नानी से बात करी तो उन्होंने कहा कि आप इन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दो जबकि इनके खिलाफ नागपुर थाना में मुकदमा दर्ज हैं लड़की अभी नाबालिग है और नागपुर पुलिस भी इनके लिए मथुरा आ रही है।

हनी ट्रैप मामले में सनावद पुलिस को बड़ी सफलता, पांच आरोपी गिरफ्तार

तिरुपति पांडे

मध्य प्रदेशः सनावद नगर में हनी ट्रैप का एक मामला प्रकाश में आया है जिसमें फरियादी को मोबाइल पर संपर्क कर अपना नाम सपना बताते हुए बार-बार फोन लगाकर पद्मावती कॉलोनी सनावद में अपने घर पर बुलाया गया महिला द्वारा फरियादी को घर के कमरे में ले जाकर आपसी सहमति से संबंध बनाए जा रहे थे तभी अचानक कमरे में दो पुरुष और एक महिला आए कमरे में आई महिला ने अपना नाम वैजन्ती बताया और कमरे में रखे मोबाइल पर वीडियो रिकॉर्ड करने की बात कह कर फरियादी को धमकाया

और वीडियो वायरल कर जान से मारने की धमकी देते हुए बलात्कार के झूठे प्रकरण में फंसने की बात कह कर कहते हुए ढाई लाख रुपए की मांग की जिससे डर कर फरियादी द्वारा पद्मावती कॉलोनी सनावद में जाकर गिरोह को ?10000 भी दिए गए आरोपियों गिरोह द्वारा लगातार धमकियां देने और वीडियो वायरल करने का कहने पर फरियादी मानसिक रूप से परेशान हो गया और सनावद थाने पर उक्त घटना के संबंध में एक आवेदन दिया मामले की गंभीरता को समझते हुए सनावद पुलिस द्वारा धारा 308(7) 351 (3)3(5)भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद किया जाकर विवेचना में लिया अनुविभागीय अधिकारी अर्चना रावत के मार्गदर्शन में सनावद थाना।

छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौते का दबाव

महिला ने देवर पर फेंका तेजाब

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः थाना पुवायां क्षेत्र में छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौता का दबाव बनाने पर एक महिला ने अपने देवर पर तेजाब फेंक दिया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल, थाना पुवायां क्षेत्र के गांव वीरमपुर निवासी हगपाल पर उसकी भाभी ने तेजाब फेंक दिया। घायल हगपाल की मां की तहरीर पर गांव की सरला देवी पत्नी देवेश कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। हगपाल की मां का आरोप था कि उसके पुत्र की आरोपी सरला देवी से पुरानी रंजिश चल रही है, जिसको लेकर सरला ने उसके पुत्र हगपाल से गाली-गलौज की, विरोध करने पर सरला ने हगपाल के ऊपर तेजाब फेंक दिया। वहीं, पुलिस

पूछताछ में आरोपी सरला देवी ने बताया कि हगपाल उसके पति का मौसेरा भाई है

और रिश्ते में उसका देवर लगता है। बताया कि वर्ष 2021 में हगपाल ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी और उसके भाईयों ने मारपीट की थी, सरला ने बताया कि उसने हगपाल और उसके भाईयों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसका मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। हगपाल इस मुकदमे में सुलह समझौता करने के लिए आएदिन उस पर दबाव बनाता था बृहस्पतिवार को भी हगपाल उसके पास आया और राजीनामा की बात कहने लगा, इसी बात पर उसकी हगपाल से कहासुनी हो गई और उसने गुस्से में आकर हगपाल पर तेजाब फेंक दिया।

नवाबगंज ब्लॉक के कनिष्ठ लिपिक ने बीडीओ पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

विजय बिहारी विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः नवाबगंज विकासखंड में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक हरि माधव ने अपने ही विभाग के खंड विकास अधिकारी संजय श्रीवास्तव पर मानसिक उत्पीड़न और मनमानी का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने थाना अध्यक्ष नवाबगंज को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।प्रार्थना पत्र में हरि माधव ने बताया कि खंड विकास अधिकारी द्वारा उन्हें लगातार अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और कार्यालयीन कार्यों में बेवजह दबाव बनाया जाता है। उनका आरोप है कि विभागीय कार्यों के दौरान उनके साथ अनुचित व्यवहार किया जाता है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। हरि माधव ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग में नियमों की अनदेखी कर कुछ कार्य कराए जा रहे है

और विरोध करने पर उन्हें परेशान किया जाता है। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।वहीं इस पूरे मामले में खंड विकास अधिकारी संजय श्रीवास्तव से पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का

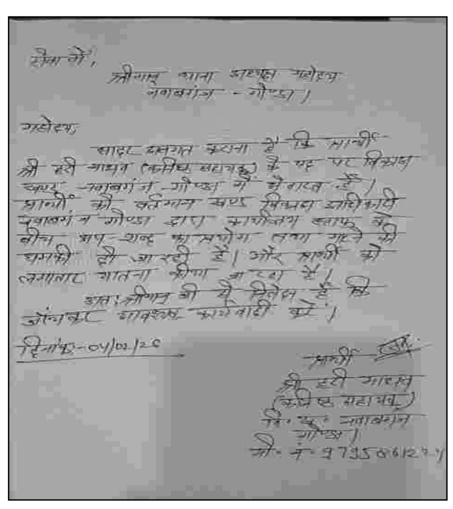

प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठ सका।इधर, पुलिस ने प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में आस्था के साथ मनाई गई शब-ए-बारात, पूरी रात इबादत और दुआओं का दौर

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेश: शब ए बारात मनाया गया , मंगलवार को पूरे दिन बीतने के बाद शाम से अगले दिन सुबह फजर की अजान से पूर्व तक लोग अपने घरों में नियाज फातिहा करी गई व कब्रिस्तान में जाकर अपने सगे संबंधियों के कब्र में जाकर दुआ करी। इसके लिए कब्रिस्तान में विशेष साफ सफाई कर लाइट की व्यवस्था की गई है।

बता दें कि रमजान से पहले शबे बरात होती है शब ए बरात की रात में गुनाहों से तौबा की जाती है। शब-ए-बरात पर मुस्लिम समाज के लोग पूरी रात इबादत कर अपने गुनाहों की माफी खुदा से मांगते हैं। बताया जाता है कि इस रात खुदा अपने बंदों की दुआओं को कुबूल फरमाता है। मस्जिद अहले सुन्नत वल जमात जामा मस्जिद के पेश ईमाम मुफ्ती

हाफिज गुलाम वारसी सहाब ने बताया कि शबे बरात की रात में इबादत

करना एवं दिन में रोजा रखना बहुत ज्यादा सवाब का काम है इस रात में सूरज डूबने के वक्त से लेकर सुबह फर्ज तक अल्लाह दुनिया में अपनी रहमत बरसाता है। उन्होंने बताया कि इस दिन जो रोजा रखता है उस पर रहमतों की बारिश होती है। जानकारी के अनुसार त्योहार को लेकर पिछले सप्ताह से ही सभी लोग अपने अपने घरों में कुरान खानी मिलाद फातिहा आदि करने में लगे हुए थे। मंगलवार की रात को पूरी रात

जागकर सभी लोगो ने नमाज अदा की इबादत करी और अपने गुनाहों के लिए माफी मांगी महिलाएं घरों में और पुरुषों ने मस्जिद में जाकर इबादत की नमाज अदा की तथा दुआ मांगी। जिले भर में आज धूमधाम के साथ शब-ए-बारात का त्योहार मनाया गया । त्योहार को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई थी। शब-ए-बारात में रात भर अल्लाह की इबादत की जाती है।

कुरान शरीफ की तिलावत की जाती है। इस रात को पुराने दिनों को भुलाकर फिर से नए तरीके से चलने की दुआ मांगी जाती है। पिछले दिनों में हुई गलतियों, गुनाहों की माफी मांग कर नए तरीके से चलने की दुआ मांगी जाती है। इस रात को कब्रिस्तान में भी जाकर मरहूमो (मृतकों) के लिए दुआ की जाती है। बताया जाता है कि शब-ए-बारात की रात को मरहूम (मृतक) भी अपने घर के लोगों से उम्मीद करते हैं कि उनके घर के लोग उनके लिए क्या करते हैं। इसलिए रात 10बजे के बाद कब्रिस्तान में जाकर मरहूमो के हक में ओर मरहूमो की मगफिरत (जन्नत में आला मुकाम के लिए अल्लाह से दुआ मांगी।

हाईकोर्ट आदेश पर बरेली के पिपरिया गांव में अवैध मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई, गांव बना पुलिस छावनी

प्रमोद कुमार बंसल

उत्तर प्रदेश: भोजीपुरा थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव में शनिवार सुबह प्रशासन बुलडोजरों और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। ग्राम समाज की जमीन पर बनी करीब 300 वर्ग गज में फैली मस्जिद-ए-आला हजरत पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में यह कदम उठाया गया।

सुबह होते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। दो बुलडोजरों की मदद से निर्माण को गिराने की प्रक्रिया शुरू की गई। अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर

रखे थे।

नोटिस के बाद भी नहीं हटा कब्जा प्रशासन का कहना है कि संबंधित पक्ष को कई बार नोटिस जारी किए गए थे और अतिक्रमण हटाने का मौका भी दिया गया था। लेकिन तय समय सीमा के भीतर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर चलाने का फैसला लिया। पिपरिया गांव बना पुलिस छावनी

ध्वस्तीकरण के दौरान पूरे गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया। कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं। किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए।

प्रयागराज में 11 दिवसीय महायज्ञ एवं भंडारे का भव्य आयोजन, सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश

प्रशांत

उत्तर प्रदेश: अखिल भारतीय हिंदू महासभा भारत एवं सहयोगी संगठन जांबाज अखाड़ा परिषद भारत तथा जांबाज हिंदुस्तानी सेवा समिति द्वारा मॉ गंगा यमुना सरस्वती की गोद पवित्र रज कपि ध्वज के नीचे पवित्र गोमूत्र एवं संगम के जल से शोधित रुद्राक्ष शिवलिंग के सम्मुख में आयोजित प्रयागराज में रुद्र मंडपम कैंप के द्वारा जिला कार्यकारिणी प्रयागराज उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 11 दिवसीय गत वर्ष महाकुंभ में दिवंगत हुए हमारे सनातनी भाई-बहन हमारे वीर बलदानी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, विश्व शांति, गोवंश रक्षा, सत्य सनातन की विजय, ग्रह शांति, पितृ शांति एवं तरक्की हेतु महायज्ञ एवं भंडारा कार्य दिनांक 4 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक सेक्टर

2 अपर संगम पर मार्ग माघ मेला 2026 में आयोजित किया गया है इस अवसर पर आप सभी सनातनी भाई बंधु आहुति देने हेतु सादर आमंत्रित हैं इसके साथ ही पंडित दिवाकर महाराज जी द्वारा सुबह रूद्र पूजन आरती सुबह 8:00 से 10:00 तक एवं दोपहर 2:30 बजे से 5:00 बजे शाम तक सत्संग प्रवचन किया जाएगा आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है इस महायज्ञ में शामिल होने के लिए मुख्य यजमान हेतु सम्पर्क करे। निवेदक समस्त अखिल भारतीय हिंदू महासभा एवं जांबाज अखाड़ा परिषद जांबाज हिंदुस्तानी सेवा समिति परिवार आप सभी का हार्दिक स्वागत अभिनंदन।

71 गर्भवती महिलाओं का हुआ निशुल्क अल्ट्रासाउंड

लिखित पंत

उत्तराखंड: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) गंगोलीहाट में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। शनिवार को अस्पताल परिसर में आयोजित विशेष शिविर के दौरान क्षेत्र की 71 गर्भवती महिलाओं का निशुल्क अल्ट्रासाउंड किया गया। विशेषज्ञों की देखरेख में हुई जाँच रेडियोलॉजिस्ट डॉ. रामबाबू द्वारा सभी महिलाओं का गहन परीक्षण और अल्ट्रासाउंड किया गया। इस कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने में स्थानीय आशा कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सुदूरवर्ती क्षेत्रों से महिलाओं को अस्पताल लाने और पंजीकरण प्रक्रियाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

दूरस्थ गांवों तक पहुँचा लाभ इस शिविर की सबसे खास बात

यह रही कि इसमें केवल मुख्य बाजार ही नहीं, बल्कि दुर्गम क्षेत्रों की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लाभान्वित होने वाले क्षेत्रों में मुख्य रूप से शामिल हैं सुदूरवर्ती क्षेत्रः खीरमंडे, राममंदिर, गराली, बोयल और पिल्खी। निकटवर्ती क्षेत्रः रावलगांव, पुनौली और हाट। महीने में दो बार मिलेगी सुविधा प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. उमाकांत ने क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की कि अब अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की समस्या का समाधान कर दिया गया है। उन्होंने बताया क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मातृ स्वास्थ्य की महत्ता को देखते हुए अब महीने में 2 बार नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड की सुविधा प्रदान की जाएगी।

देश का सबसे बड़ा 40 फीट लंबा त्रिशूल विश्वनाथगंज पहुँचा, सनातन हिंदू एकता का भव्य स्वागत

प्रशांत

उत्तर प्रदेश: देश का सबसे बड़ा 40 फीट लंबा त्रिशूल लेकर निकली माँ त्रिशूल यात्रा रविवार, 8 फरवरी 2026 को प्रतापगढ़ जिले के प्रथम पड़ाव विश्वनाथगंज पहुँची, जहाँ सनातन हिंदुओं द्वारा भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

बताया जा रहा है कि यह माँ त्रिशूल यात्रा छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) से प्रारंभ हुई है। प्रतापगढ़ में प्रवेश करते ही पहले दिल्लूपुर, उसके बाद विश्वनाथगंज में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का जोरदार अभिनंदन किया।

त्रिशूल के स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। 'जय श्रीराम', 'हर-हर महादेव', 'ॐ नमः शिवाय' के गगनभेदी उद्घोषों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।

इस भव्य आयोजन में विशेष रूप से भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय कुमार मौर्य, वरिष्ठ नेता शंभूनाथ मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह (विक्रांत), राजेंद्र सिंह, दिवाकर सिंह, भागीरथी सिंह (प्रधान), नितिन मिश्रा, पंकज शर्मा, संजय सिंह, रज्जू सिंह, उमेश प्रताप सिंह, पूर्व प्रधान सोमनाथ भट्ट, अनूप शर्मा, जसवंत यादव सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु और सनातन प्रेमी उपस्थित रहे। माँ त्रिशूल यात्रा को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और सनातन एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

हरिश्चन्द्र कॉलेज में यूजीसी बिल के समर्थन में छात्रों का जुलूस, प्रशासन से धक्का-मुक्की के बाद धरने पर बैठे छात्र

वाराणसी, एजेंसी। मैदागिन स्थित हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब छात्रों ने यूजीसी बिल के समर्थन में परिसर के अंदर जुलूस निकाला। छात्र नारेबाजी करते हुए पूरे परिसर में घूमे और इसके बाद कॉलेज गेट की ओर जाने का प्रयास किया, लेकिन जिला प्रशासन ने उन्हें बाहर जाने से रोक दिया।

जैसे ही छात्र गेट की ओर बढ़े, मौके पर मौजूद जिला प्रशासन और पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान विजय प्रताप सिंह (एएसपी कोतवाली) और ईशान सोनी थाना प्रभारी कोतवाली दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। छात्रों और पुलिस के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी

हुई, जिससे माहौल और गर्म हो गया।

पुलिस की सख्ती के बाद छात्र गेट तक नहीं जा सके और परिसर के अंदर ही जमीन पर बैठ गए। छात्रों ने शांतिपूर्वक बैठकर अपनी मांगों और समस्याओं को सामने रखा। छात्रों का कहना था कि वे यूजीसी से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाना चाहते हैं। इस पूरे आंदोलन के दौरान छात्रों का नेतृत्व कर रहे प्रमुख चेहरों में शिवम यादव, रोहित यादव, मनीष सोनी, राहुल कन्नौजिया, चन्दन सोनकर, विवेक कुमार, शिवा सोनकर और मुहम्मद आसिफ सहित कई छात्र उपस्थित रहे।

बसपा को कमजोर करने की हो रही साजिश : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर बसपा को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को कमजोर करने के लिए लगातार साजिश की जा रही है। मायावती ने आरोप लगाया कि आज धर्म और जाति के नाम पर राजनीति हो रही है, जबकि जनता से जुड़े मूलभूत मुद्दों को जानबूझकर दरकिनार किया जा रहा है।

बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के एस.आर. इंस्टीट्यूट में बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का शनिवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे, संत रामशरण दास महाराज और इंस्टिट्यूट के चेयरमैन पवन सिंह चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति, विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह और देश भर से आए बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलिंद परांडे ने कहा कि देश में जिहादी हिंसा का मुद्दा लगातार बढ़ रहा है। कुछ लोग हिंसा के आधार पर हिंदू समाज को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हिंदू समाज इस गलतफहमी को दूर करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक गौ-रक्षा का कार्य बजरंग दल के कार्यकताओं ने किया है। अब बजरंग दल के कार्यकर्ता मतांतरण रोकने के कार्य में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि बजरंग दल ने निश्चय किया है कि हम युवाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी बनायेंगे। पिछले वर्ष 14 हजार लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा गया है। हमारा लक्ष्य है कि हर विभाग में इस प्रकार का काम खड़ा हो। देश में 34 लाख युवा बजरंग दल से जुड़े हैं। इस वर्ष 01 करोड़ से अधिक हित चिंतक बनाये जायेंगे। परांडे ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता जताते हुए कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में प्रत्येक राज्य में पांच हजार से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई स्थानों पर रन फॉर हेल्थ जैसे कार्यक्रम भी हुए हैं।

आगे भी इस विषय पर

वाराणसी में केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान की प्रेस वार्ता, बजट को बताया विकसित भारत की नींव

वाराणसी, एजेंसी। केंद्र सरकार के बजट को लेकर शनिवार को वाराणसी में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय राज्य मंत्री ग्रामीण विकास कमलेश पासवान ने बजट की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के सपने को पूरा करने वाला है और पहली बार ऐसा बजट आया है, जिसमें भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई गई हैं। हर सेक्टर को मजबूत करने पर फोकस केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में हर सेक्टर को शामिल किया गया है। चाहे वह ग्रामीण विकास हो, कृषि हो, इंफ्रास्ट्रक्चर हो या सामाजिक क्षेत्र–सभी के विस्तार को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट सिर्फ वर्तमान की जरूरतों को नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की

चुनौतियों को भी ध्यान में रखता है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर दिया भरोसा अमेरिका और भारत के बीच संभावित ट्रेड डील को लेकर उठ रही शंकाओं पर कमलेश पासवान ने कहा कि जिन लोगों को इसे लेकर भ्रम है, वह अगले दो-चार दिनों में पूरी तरह साफ हो जाएगा। उन्होंने दावे के साथ कहा कि केंद्र सरकार किसी भी किसान के साथ अहित नहीं होने देगी और किसानों के हित सर्वोपरि रहेंगे। मुसलमानों की सुरक्षा पर बोले मंत्री यूपी के मुसलमानों को लेकर उठे सवालों पर केंद्रीय राज्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुसलमान पूरे भारत में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी समुदाय के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा है और सभी को समान अधिकार और सुरक्षा मिल रही है। यूजीसी मामले पर न्यायालय के फैसले का सम्मान जरूरी यूजीसी से जुड़े मुद्दे पर बोलते हुए कमलेश पासवान ने कहा कि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। आने वाले समय में इस पर बहस होगी और जो भी निर्णय न्यायालय से आएगा, उसका सभी को सम्मान करना चाहिए। चुनाव के मद्देनजर बयानबाजी तेज विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक हैं, इसलिए सभी लोग राजनीति की रोटी सेकने में लगे हुए हैं। उन्होंने साफ किया कि भाजपा सर्व समाज की राजनीति करती है और किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास के लिए काम करती है। 2027 में फिर बनेगी भाजपा सरकार केंद्रीय मंत्री ने भरोसा जताया कि वर्ष 2027 में एक बार फिर भाजपा उत्तर प्रदेश में जीत हासिल करेगी और तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार के काम और नीतियां ही जनता के सामने सबसे बड़ा आधार होंगी।

एक नजर

दुल्हन की तरह सजा देवांश रिसॉर्ट, उद्घाटन समारोह में जनपद भर से उमड़ा जनसैलाब

प्रशांत/उत्तर प्रदेश: होटल, रिसॉर्ट और वेडिंग डेस्टिनेशन के क्षेत्र में सपनों जैसा आकर्षक लुक लिए देवांश रिसॉर्ट अब आम लोगों के लिए पूरी तरह उपलब्ध हो गया है। दुल्हन की तरह सजे इस भव्य रिसॉर्ट का उद्घाटन समारोह जिले में चर्चा का विषय बना रहा।

सुखपाल नगर स्थित वाराणसीझलखनऊ हाईवे पर बने देवांश रिसॉर्ट के उद्घाटन अवसर पर जनपद के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोग पहुँचे। आगंतुकों के स्वागत के लिए किए गए विशेष और भव्य इंतजामों ने कार्यक्रम में शामिल सभी मेहमानों का दिल जीत लिया।

देवांश होटल एवं रिसॉर्ट के संचालक विनय सिंह ने स्वयं उपस्थित रहकर सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं सत्कार किया। रिसॉर्ट की भव्यता, दिव्यता और आधुनिक सुविधाओं को देखकर लोग खासे प्रभावित नजर आए और इसे जनपद का सबसे बेहतरीन रिसॉर्ट बताया। आकर्षक ढंग से सुसज्जित कमरे, भव्य वेडिंग हॉल और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस देवांश रिसॉर्ट अब विवाह समारोह, पारिवारिक आयोजन, ठहराव एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए आम लोगों की सेवा में समर्पित रहेगा।

कौशांबी में महिला ने पति की लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर आत्महत्या की

कौशांबी, एजेंसी। कौशांबी जिले के पश्चिम शरीरा थानाक्षेत्र में एक महिला ने शनिवार सुबह अपने पति की लाइसेंसी राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार थानाक्षेत्र के पूरब शरीरा गांव निवासी संगीता देवी (42) पत्नी करण सिंह ने आज सुबह अपने पति की लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस के अनुसार करण सिंह परिजनों के साथ उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच में पता चला है कि संगीता देवी अवसाद में थी, जिसका प्रयागराज में उपचार किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एएसपी ने बताया कि परिजनों से पूछताछ के बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत, दो अन्य लोग घायल

जालौन, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। जालौन के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग आठ से नौ बजे के बीच दो मोटरसाइकिलों की कुठौंद थाना क्षेत्र में जरहाले गांव के पास आमने-सामने की टक्कर हो गयी। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार चारों लोगों को गंभीर हालत में कुठौंद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सुदामा सिंह (40) और कुसुम सिंह के रूप में हुई है जबकि हादसे में दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें औरैया स्थित मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के कई नेताओं ने रमाबाई आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई प्रमुख नेताओं ने शनिवार को रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति, नारी चेतना की सशक्त प्रतीक माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, शिक्षित व जागरूक समाज के निर्माण में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, महिला सशक्तिकरण की आदर्श प्रतीक एवं सामाजिक समानता की प्रबल पक्षधर माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर सादर नमन।

संपादकीय

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर रंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा-पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मयार्दा तार-तार हो जाती।

राजधानी या लापता होती ज़िंदगियों का शहर?

> दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, केवल 1 से 15 जनवरी के बीच 807 लोग लापता हुए। औसतन हर दिन 54 लोग, यानी हर घंटे दो से अधिक लोग, इस शहर में गायब हो गए। यह कोई साधारण अपराध आँकड़ा नहीं है जिसे रोजमर्रा की रिपोर्टिंग का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए।
> इस पूरी तस्वीर का सबसे भयावह पहलू यह है कि लापता लोगों में से 509 महिलाएँ और लड़कियाँ हैं।

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

देश की राजधानी दिल्ली को अक्सर सत्ता, सुरक्षा और आधुनिकता का प्रतीक बताया जाता है। ऊँची इमारतें, स्मार्ट सिटी के दावे, चौबीसों घंटे निगरानी के कैमरे और दुनिया की सबसे बड़ी पुलिस व्यवस्थाओं में से एक-ये सब मिलकर यह भरोसा दिलाते हैं कि दिल्ली सुरक्षित है। लेकिन वर्ष 2026 के पहले पंद्रह दिनों के आँकड़े इस भरोसे को गहरे संदेह में बदल देते हैं। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, केवल 1 से 15 जनवरी के बीच 807 लोग लापता हुए। औसतन हर दिन 54 लोग, यानी हर घंटे दो से अधिक लोग, इस शहर में गायब हो गए। यह कोई साधारण अपराध आँकड़ा नहीं है जिसे रोजमर्रा की रिपोर्टिंग का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए।

इस पूरी तस्वीर का सबसे भयावह पहलू यह है कि लापता लोगों में से 509 महिलाएँ और लड़कियाँ हैं। यानी लगभग दो-तिहाई मामले सीधे तौर पर महिला सुरक्षा से जुड़े हैं। जिस राजधानी में महिला सुरक्षा को लेकर सबसे ज्यादा दावे किए जाते हैं, वहीं इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं और लड़कियों का लापता होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह केवल अपराध का नहीं, बल्कि असुरक्षा के सामान्यीकरण का संकेत है, जहाँ महिलाओं का गायब हो जाना भी एक आँकड़े में बदल जाता है।

इन 807 लापता मामलों में 191 नाबालिग शामिल हैं। इनमें से 146 नाबालिग लड़कियाँ हैं। इसका अर्थ यह है कि केवल पंद्रह दिनों में हर दिन औसतन 13 बच्चे लापता हुए, और उनमें बहुसंख्यक लड़कियाँ थीं। यह तथ्य किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चेतावनी की घंटी होना चाहिए।

लेकिन हमारी सामाजिक प्रतिक्रिया अक्सर उतनी तीव्र नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। आँकड़े पढ़े जाते हैं, बहस होती है, और फिर अगली खबर आ जाती है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार 235 लोगों को ढूँढ लिया गया है, लेकिन 572 लोग अब भी लापता हैं। यह संख्या केवल एक प्रशासनिक प्रगति रिपोर्ट नहीं है। यह 572 परिवारों की अनिश्चितता, पीड़ा और अंतहीन प्रतीक्षा का प्रतीक है। हर बीतता दिन उन लोगों के लिए उम्मीद को थोड़ा और कम कर देता है, जिनके अपने अचानक गायब हो गए। सवाल यह नहीं है कि कुछ लोग मिल गए, सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग अब भी क्यों नहीं मिले।

एक असहज लेकिन जरूरी सवाल यह भी है कि क्या हर लापता व्यक्ति के मामले को समान गंभीरता से लिया जाता है। व्यवहारिक सच्चाई यह है कि गरीब, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार, या झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों की गुमशुदगी को अक्सर हल्के में लिया जाता है। कई मामलों में शुरूआती प्रतिक्रिया ही संदेह से भरी होती है-ह्लघर से भाग गया होगाह्व, ह्लकिसी रिश्तेदार के पास चला गया होगा। ह्व खासकर लड़कियों के मामलों में यह मानसिकता और भी खतरनाक साबित होती है, क्योंकि शुरूआती घंटों की लापरवाही बाद में अपूरणीय नुकसान में बदल जाती है।

महिलाओं और बच्चों के लापता होने के पीछे केवल व्यक्तिगत कारण नहीं होते। इसके पीछे मानव तस्करी, संगठित अपराध, अवैध श्रम, यौन शोषण, घरेलू हिंसा और जबरन विवाह जैसे कई भयावह पहलू जुड़े होते हैं। दिल्ली जैसे महानगर इन नेटवर्कों के लिए केवल गंतव्य नहीं, बल्कि ट्रांजिट पॉइंट भी हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि हर लापता मामले को केवल ह्लट्र२२्रल्लॅ ढी१२ङ्गल्लह्व कहकर दर्ज न किया जाए, बल्कि संभावित अपराध की दृष्टि से उसकी गंभीर जाँच हो।

यह और भी चिंताजनक हो जाता है जब हम यह देखते हैं कि यह सब कुछ तकनीक के युग में हो रहा है। आज मोबाइल फोन, लोकेशन डेटा, सीसीटीवी कैमरे, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया जैसी तकनीकों के बावजूद अगर इतने बड़े पैमाने पर लोग लापता हो रहे हैं, तो यह या तो संसाधनों के सही इस्तेमाल की कमी को दशार्ता है या इच्छाशक्ति की कमी को। जब किसी वीआईपी मूवमेंट के लिए पूरा शहर कुछ ही मिनटों में ठप किया जा सकता है, तो आम नागरिक के लापता होने पर वही तत्परता क्यों नहीं दिखाई देती?

यह समस्या केवल पुलिस या सरकार तक सीमित नहीं है। समाज की भूमिका और हमारी सामूहिक चुप्पी भी उतनी ही ज़िम्मेदार है। हम खबर पढ़ते हैं, कुछ देर के लिए चिंतित होते हैं, फिर अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में लौट जाते हैं। जब तक कोई लापता व्यक्ति हमारे परिवार, मोहल्ले या पहचान के दायरे में नहीं आता, तब तक वह हमारे लिए एक दूर की खबर ही बना रहता है। यही उदासीनता इस समस्या को और गहरा करती है।

हर सरकार महिला सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताती है। हेल्पलाइन नंबर, मोबाइल ऐप्स, जागरूकता अभियान और फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणाएँ होती हैं। लेकिन जमीनी हकीकत बार-बार इन दावों को झुठलाती है। अगर नीतियाँ वास्तव में प्रभावी होतीं, तो देश की राजधानी में पंद्रह दिनों के भीतर 509 महिलाएँ और लड़कियाँ लापता नहीं होतीं। यह अंतर नीति और व्यवहार के बीच की खाई को उजागर करता है।

यह समय आत्ममंथन का है। यह पूछने का समय है कि क्या हमारी नीतियाँ सिर्फ. कागजों तक सीमित रह गई हैं। क्या हर लापता मामले की समयबद्ध समीक्षा होती है। क्या लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाती है। अक्सर इन सवालों के जवाब मौन में खो जाते हैं, और यही मौन समस्या को और गंभीर बना देता है।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

-ललित गर्ग-

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

सदन की घटनाओं से तार-तार होता राष्ट्रीय चरित्र

-डॉ. रवीन्द्र अरजरिया-

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानियों का बाहुल्य होता जा रहा है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा तक में राष्ट्रीय चरित्र का निरंतर पतन हो रहा है। गुण्डागिरी का ऊपर उठता ग्राफ, अपशब्दों की बौछार और आक्रमण के लिए उन्मादी भीड के दृश्य किसी मवाली मंडी के मानिन्द सामने आ रहे हैं। हाथपाई, मारपीट और गालीगलौज से ऊपर उठकर प्राणघातक हमले तक बात पहुंच चुकी है। इन सबके मध्य अब महिलाओं को हथियार बनाकर राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को भी नस्तनाबूत करने के लिए भी राजनैतिक दलों ने अब कमर कस ली है। संसद के अन्दर का वातावरण अब असुरक्षा के प्रदूषण से इतना भर गया है कि वहां पर सम्मान की सांसें लेने में बेहद कठिनाई होने लगी है। सभापति का पद भी निर्विघ्न रूप से कीचड उछाला जाता रहा है। राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति तक की संवैधानिक गरिमा पतन के गर्त में पहुंचती जा रही है। मतभेदों की वैचारिक भिन्नता अब मनभेद का संघर्ष बन चुका है। संसद के बाहर षडयंत्र करने वाले अब अन्दर का सम्मान भी मिट्टी में मिलाने पर तुल गये हैं। ढीठता की चरम सीमा पर पहुंचने वाले अनेक राजनेताओं का नंगा नाच अब सडकों पर भी मनोरंजन का कारक बनता जा रहा है। खतरनाक आपराधिक घटनाओं में आरोपी बने लोग जब संसद में जनप्रतिनिधि बनकर पहुंचेंगे, तो उनकी मानसिक गंदगी से वहां भी गैगवार जैसी स्थितियां पैदा होना स्वाभाविक ही है। राजनैतिक दलों में बाहुबलियों, भीडबलियों, धनबलियों, गैगबलियों सहित माफियों को बेधडक सम्मान देने की परम्परा अब बेहद तेजी से आगे बढ रही है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की दहशत को लोकप्रियता का नया मापदण्ड माना जाने लगा है। घोटालेबाजों की सम्पत्ति ही उन्हें प्रतिष्ठा के नये सोपान तय करा रही है। माफियों के गिरोहों की दखलंदाजी अब कार्यपालिका के दफ्तरों से लेकर सदन के अन्दर तक हो चुकी है। नियम, कानून, व्यवस्था जैसे शब्द केवल निरीह लोगों पर ही कहर बनकर टूट रहे हैं। देश का नाम दुनिया के भाल पर भले ही चमकता दिख रहा हो परन्तु अन्दर के हालातों को विस्फोटक बनाने में लगे उत्तरदायी लोगों के समूह अब आत्मघाती दस्ते बनकर विदेशी षडयंत्र को अमली जामा पहनाने में तेजी से जुट गये हैं। साइबर युग में अतीत की इबारत से लेकर वर्तमान के क्रियाकलापों तक का आइना खुलकर सामने आ चुका है। ऐतिहासिक घटनाओं को विकृत करके इतिहास लिखवाने वालों तक को पोल खुल चुकी है। सत्य को झुठलाकर षडयंत्र को विकसित करने वालों ने लम्बे समय तक देश को अंधकार में रखा और राज्य किया। गुलामी की आदतों में जकडे नागरिकों को शाब्दिक स्वतंत्रता का सब्जबाग दिखाकर गोरों ने केवल सत्ता के चेहरों को ही बदला था। सब कुछ यथावत ही रहा था।

चन्द लोगों के द्वारा स्वीकार की गई अंग्रेजियत को समूचे देश पर थोपा गया। विलायती संस्कृति के आगे परम्परागत संस्कारों को दास बना दिया गया। शिक्षा से लेकर चिकित्सा तक, न्यायालयों से लेकर संस्थानों तक और धरती से लेकर आसमान तक पाश्चात्य की जडें मजबूत करने की षडयंत्रकारी योजनायें आज दावानल बनकर देश को निगल रहीं है। लोकतंत्र के मंदिर को भी देश के अन्दर बैठे मीरजाफरों की फौज विखण्डित करने पर तुली है। उदाहरण के तौर पर देखें तो विगत 26 अगस्त 2006 को लोकसभा में हुई जेडीयू और आरजेडी के मध्य हाथापाई हुई। विगत 24 नवंबर 2009 को राज्यसभा में अमर सिंह और अहलूवालिया के मध्य हाथापाई हुई। विगत 5 सितंबर 2012 को राज्यसभा में बीएसपी सांसद अवतार सिंह और एसपी सांसद नरेश अग्रवाल के मध्य हाथापाई हुई। विगत 13 फरवरी 2014 को हुए झगड़े ने अध्यक्ष को कक्ष से भागने पर मजबूर कर दिया और कई सांसदों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में प्रदर्शनकारी सांसद ने विरोधियों पर मिर्च स्प्रे फेंका था। कांच की मेज को तोड़ा माइक्रोफोन का तार तोड़ दिया था। विगत जनवरी 1988 को एमजी रामचंद्रन की विधवा जानकी के समर्थकों तथा जे. जयललिता के समर्थकों के मध्य हाथापाई हुई जिसमें 20 विधायकों को चोटें आईं थीं तथा 100 से अधिक माइक टूट गए और कई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गईं। विगत 26 मार्च 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में जयललिता पार्टी के सदस्यों और करुणानिधि के डीएमके के विधायकों के बीच हिंसा भड़क उठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विगत 16 दिसम्बर 1993 को सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुई हाथापाई में अध्यक्ष केसरी नाथ त्रिपाठी सहित 33 विधायक घायल हो गए थे। यहीं पर 21 अक्टूबर 1997 को फिर आक्रामण की घटना हुई जिसमें लगभग 50 सदस्य घायल हो गए थे। इस घटना में माइक्रोफोन स्टैंड, पेपरवेट, कांच के टुकड़े और फर्नीचर का खुलकर प्रयोग हुआ था। इसी तरह 14 सितंबर 2007 को कांग्रेस विधायक भीष्म शर्मा ने भाजपा के मुख्य सचेतक साहब सिंह चौहान पर शारीरिक हमला किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर 11 दिसंबर 2012 को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के विधायकों के बीच हाथापाई हुई। तमिलनाडु विधानसभा में भी 2013 में मुक्केबाजी हुई। केरल के विधायकों ने 13 मार्च 2015 में तोड़ीं कुर्सियां, माइक फेंके और मेजों पर चढ़ गए। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 28 अगस्त 2015 को कांग्रेस और विपक्षी भाजपा विधायकों के बीच मारपीट हुई। तमिलनाडु में 18 फरवरी 2017 को तमिलनाडु विधानसभा में राज्य विधायकों द्वारा हिंसा और बर्बरता की घटनाएं हुईं। गुजरात विधानसभा विगत 14 मार्च 2018 को प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर थप्पड़ और लात-घूंसे बरसाए, माइक्रोफोन भी तोड़े। हरियाणा विधानसभा में 11 सितंबर 2018 को विपक्ष के नेता और इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अभय चौटाला और कांग्रेस विधायक करण सिंह दलाल के बीच अभूतपूर्व लड़ाई देखी गई।

साम्प्रदायिकता की बुझे आग, हर हर दीपक बने घर घर जले चिराग

-तनवीर जाफरी-

भारत को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने के बड़े पैमाने पर चल रहे दुष्प्रयासों के बीच मानवतावादी हिंदुत्व के एक प्रबल प्रतीक के रूप में पिछले दिनों उत्तराखंड के कोटद्वार के एक जिम ट्रेनर दीपक कुमार का नाम एक 'प्रकाश पुंज' के रूप में सामने आया। दीपक ने एक मुस्लिम बुजुर्ग दुकानदार को साम्प्रदायिक बवाल से बचाने के लिए स्वयं को "मोहम्मद दीपक" बताते हुये उपद्रवियों का मुकाबला किया और उन्हें खदेड़ भगाया। दरअसल कोटद्वार में "बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर" नाम की करीब 30 वर्ष पुरानी गार्मेन्ट की दुकान 75 वर्षीय मुस्लिम दुकानदार वकील अहमद चलाते हैं। गत 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को बजरंग दल के कुछ कार्यकताओं ने दुकान के नाम में 'बाबा' शब्द होने पर आपत्ति जताई और "बाबा" शब्द को स्थानीय हनुमान मंदिर से जोड़ते हुए दूकान का नाम फौरन बदलने की धमकी दी। जबकि दुकानदार का कहना था कि "बाबा" शब्द सभी धर्मों में इस्तेमाल होता है। इसी विवाद के बढ़ने पर दीपक कुमार कश्यप जो पास ही एक जिम चलाते हैं अपने एक सहयोगी विजय रावत के साथ मौके पर आ पहुंचे। दीपक कुमार बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में मुंबई में भाग लेने तथा ओलंपियाड में टॉप-6 में रहने वाले स्थानीय युवक हैं। दीपक कुमार के वहां पहुँचने व मामले में हस्तक्षेप करने पर जब प्रदर्शनकारियों ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने अपना नाम "मोहम्मद दीपक" बताया। दीपक ने कहा, "मैं न हिंदू हूं, न मुस्लिम; सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है।" उन्होंने उस समय उपद्रवियों का डटकर मुकाबला कर उन्हें मौके से खदेड़ भगाया। उसके बाद इस विवाद ने और अधिक तूल तब पकड़ा जब इस घटना के बाद बजरंग दल व इससे जुड़े हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने दीपक के जिम के बाहर प्रदर्शन शुरू किया। बात इतनी बढ़ी कि पुलिस ने दोनों पक्षों पर मुकदमे दर्ज कर दिये। दीपक व उनके साथी विजय रावत के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 115(2), 191(1), 351(2) और 352 लगाई गईं। परन्तु दीपक का आरोप है कि सत्ता के दबाव में पुलिस ने एकतरफा रवैया अपनाया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है।

बहरहाल इस घटना के बाद पूरे देश का उदारवादी समाज "मोहम्मद दीपक" व उनके साथी विजय रावत को देश में दिनोंदिन बढ़ती जा रही साम्प्रदायिकता के इस दौर में उम्मीद की एक 'मशाल' के रूप में देख रहे हैं। पूरे देश में उनकी सराहना हो रही है। उन्हें इंसानियत और संविधान के लिए खड़े होने के प्रतीक के रूप में भी देखा जा रहा है। संसद से सड़कों तक उनकी हिम्मत और हौसले की चर्चा करते हुये उनकी प्रशंसा की गयी। जगह जगह से सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर उन्हें सम्मानित किये जाने की चर्चा चल रही है। कोटद्वार पहुंचकर उनसे मिलने वालों का तांता लगा हुआ है। देश का उदारवादी वर्ग उन्हें वास्तविक हिंदुत्व के एक रौशन चेहरे के रूप में देख रहा है। रातों रात उनके फॉलोवर्स की संख्या में लाखों का इजाफा हो रहा है। राहुल गांधी ने तो दीपक की बहादुरी की तारीफ करते हुए उन्हें "भारत का हीरो" तक कह दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दीपक संविधान और इंसानियत के लिए लड़ रहे हैं, और नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का जीवित प्रतीक हैं। राहुल ने यह भी पोस्ट किया कि - "डरो मत, तुम बब्बर शेर हो। हम तुम्हारे साथ हैं भाई।" बेशक यह हौसला बढ़ाने और नफरत के खिलाफ एकता का संदेश था। राहुल ने दीपक को बब्बर शेर इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने मुस्लिम दुकानदार को बचाने के लिए साहस दिखाया। जब कि ऐसे हालात में प्रायः लोग तमाशबीन बनकर देखते रहते हैं और उपद्रवी अपनी करतूतों से शांतिपूर्ण वातावरण में साम्प्रदायिकता का जहर घोलकर चले जाते हैं। परन्तु दीपक व उसके साथियों के साहस ने यहाँ ऐसा नहीं होने दिया।

इसी तरह याद कीजिए 22 अप्रैल 2025 का वह दिन जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों का धर्म पूछकर 26 लोग आतंकी हमले में मारे गए थे उस समय भी एक स्थानीय घुड़सवार आदिल हुसैन शाह अपनी जान की परवाह किये बिना मेहमान हिन्दू पर्यटकों को बचाने के लिये आतंकवादियों से भिड़ गये थे। इस संघर्ष में आदिल को कई गोलियां लगीं, और वे वहीं शहीद हो गए। आदिल की हिम्मत ने कई पर्यटकों की जान बचाई अन्यथा मरने वालों की संख्या और बढ़ जाती। घटना के अनुसार आदिल पर्यटकों के साथ घोड़े पर थे जब उन्होंने देखा कि आतंकी निदोर्षों पर गोलीबारी कर रहे हैं तो उन्होंने चीख चीख कर आतंकियों से कहा कि 'यह पर्यटक कश्मीर के मेहमान हैं और निर्दोष हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो'।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

वृहद मेगा स्वास्थ्य कैंप के साथ गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का समापन, 5,2000 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार

उत्तर प्रदेश, बलरामपुर, एजेंसी। गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के छठे संस्करण का देवीपाटन मंदिर परिसर में आयोजित वृहद मेगा स्वास्थ्य कैंप के साथ समापन किया गया। तीन दिवसीय इस अभियान के तहत कुल 5,2068 मरीजों की निःशुल्क जांच कर उपचार किया गया, जिससे हजारों लोगों को राहत मिली। यात्रा के अंतर्गत पहले दो दिनों में 68 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जहां ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। तीसरे दिन देवीपाटन मंदिर परिसर में मेगा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन हुआ, जिसमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे

और विशेषज्ञ डॉक्टरों से स्वास्थ्य जांच व परामर्श प्राप्त किया। मेगा स्वास्थ्य कैंप में प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से लगभग 300 चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, रक्तदान शिविर का शुभारंभ विभाग प्रचारक प्रवीण कुमार ने रक्तदान कर किया जिसमें 16 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि देवीपाटन पीठाधीश्वर मिथलेश नाथ योगी महराज ने चिकित्सकों और नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) की टीम को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और ग्रामीण व नेपाल सीमा से सटे पिछड़े क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनते हैं। एनएमओ के जिला सचिव विकल्प मिश्रा ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा यात्रा के तहत नेपाल सीमा से सटे गांवों को चिन्हित कर कुल 68 स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए, जहां सभी मरीजों की निःशुल्क जांच कर दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक प्रवीण कुमार, जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह, यात्रा संयोजक राम कृपाल शुक्ला, कीर्ति मणि (जिला कार्यवाह), नीलमणि (विभाग मार्ग प्रमुख), शिवम, अवधेश कुमार, आलोक कसौधन, एनएमओ के जिला अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम वर्मा, डॉ. एमएलबी. भट्ट, डॉ. ओ.एन. पांडेय, डॉ. शिवम,डा ताबसी, डॉ. अभिषेक, डॉ. विनोद और डॉ. घनश्याम वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकसित भारत के लक्ष्य पर केंद्रित है बजट : आशीष पटेल

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में रविवार को जिला पंचायत सभागार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने वाला, युवा-केंद्रित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूत कदम है। मंत्री ने बताया कि बजट में आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय अनुशासन और सुशासन को प्राथमिकता दी गई है। मध्यम वर्ग को राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक आय पर शून्य कर की व्यवस्था जारी रखी गई है। उत्तर प्रदेश के लिए बजट को विकास का ग्रोथ इंजन बताते हुए उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड रेल, एक्सप्रेसवे, लॉजिस्टिक कॉरिडोर से कनेक्टिविटी और निवेश बढ़ेगा। एमएसएमई के लिए 10 हजार करोड़ का ग्रोथ फंड, पूर्वांचल-बुंदेलखंड पर विशेष फोकस, कृषि में एआई आधारित तकनीक, वाराणसी में इनलैंड वॉटरवे शिप रिपेयर हब, 36 जीवनरक्षक दवाओं पर शुल्क छूट, हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल और युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी लैब जैसी घोषणाओं को उन्होंने प्रदेश के लिए अहम बताया। प्रेस कांफ्रेंस का संचालन जिला मीडिया सह-प्रभारी प्रणेश प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान एमएलसी श्याम नारायण सिंह, विधायक रिंकी कोल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा : अनिल कुमार

मुरादाबाद के प्रभारी मंत्री बोले, यह बजट दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास पर केंद्रित

मुरादाबाद, एजेंसी। भारत की सात प्रतिशत विकास दर प्रधानमंत्री के नेतृत्व की शक्ति को दशार्ती है। प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। यह बातें रविवार को मुरादाबाद के सर्किट हाउस में केंद्रीय बजट को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने कही। प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह बजट लाखों युवाओं के विचारों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह बजट राजनीतिक विचारों से इतर दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास पर केंद्रित है। प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि इस बजट में विनिर्माण, बायोफार्मा, खेल सामग्री और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए बड़ी धनराशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि रेयर अर्थ मैग्नेट कॉरिडोर और हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर जैसी परियोजनाएं लोगों को लाभ प्रदान करेंगी। श्री कुमार ने कहा कि उड़ान योजना ने हवाई यात्रा को किफायती बना दिया है जबकि महत्वपूर्ण विमान घटकों पर सीमा शुल्क हटाने से घरेलू विमान निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, जिला महामंत्री राजन विश्नोई, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका आदि उपस्थित रहे।

भाजपा के इशारे पर फार्म 7 भरवाकर पीडीए के काटे जा रहे वोट : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को पार्टी मुख्यालय लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर मतदाता सूची से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वोट काटने के आरोप लगाए। उन्होंने चुनाव आयोग से फॉर्म 7 न भरवाने की मांग की। अखिलेश ने कहा कि मतदाता सूची के लिए चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से बिहार का चुनाव भाजपा ने जीत लिया। बंगाल में भी यही कोशिश कर रही है। वहां मजबूरी में भाजपा की काली करतूत के खिलाफ काला कोट पहनना पड़ा। आज हमारे साथ नंदलाल हैं, ये वही नंदलाल हैं जिनके भारतीय जनता पार्टी ने फॉर्म 7 पर दस्तखत कराए थे। जबकि वो दस्तखत करता ही नहीं है बल्कि अंगूठा लगाता है। नंदलाल की इस बहादुरी के लिए हम लोग एक लाख रुपये और लोकतंत्र को बचाने के लिए दे रहे हैं। ये अपने घर पर मंदिर का निर्माण कर रहे हैं, हम समाजवादी

लोग इनके मंदिर को बनाने में भी सहयोग करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7 भरवाना बंद करे। जिस सरकार से कोई उम्मीद न हो, उनके आखिरी बजट से क्या उम्मीद होगी। भारतीय जनता पार्टी की हर काली करतूत, हर बेइमानी पकड़ी जा रही है। आप सिस्टम को खत्म कर रहें, इसका मतलब आप लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। बीएलओ अपनी नौकरी बचाने के लिए लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे। सपा अध्यक्ष ने इस दौरान कहा कि पूर्व विधायक अरुण वर्मा जैसे सभी जागरूक और सक्रिय पीडीए प्रहरियों और उनके सभी सहयोगियों का अभिनंदन जो लोकतंत्र सेनानी के रूप में, इतिहास में दर्ज.होने लायक अपनी सजग भूमिका बखूबी निभा रहे हैं।

मुरादाबाद में नए मतदाता बनने के लिए 98 हजार लोगों ने जमा किए फार्म छह

मुरादाबाद, एजेंसी। चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियों को जमा करने की तिथि एक माह बढ़ा दी गई है। इस बीच अभी तक मुरादाबाद जिले में 1.38 लाख दावे और आपत्तियां लोग जमा कर चुके हैं। अब आयोग की तरफ से छह मार्च तक तिथि बढ़ने पर लोग आराम से अपने फार्म जमा कर सकेंगे। वहीं अभी तक करीब 98 हजार लोगों ने नए मतदाता बनने के लिए फार्म संख्या छह जमा कराए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम ने बताया कि रविवार तक नए मतदाता बनने के लिए फार्म संख्या छह लगभग 98 हजार, फार्म सात 2600 और फार्म आठ 45 हजार जमा किए गए हैं। जिला निर्वाचन से जुड़े अधिकारी नो मैपिंग के तहत 1.98 लाख नोटिस जारी कर चुके हैं। विसंगतियों को लेकर 3.70 लाख नोटिस में अधिकतर जारी हो चुके हैं। अब चुनाव आयोग ने दावे आपत्तियों को दाखिल करने के लिए छह मार्च तक मोहलत दे दे दी है।

जमीनी विवाद में हिंसक झड़प, पांच घायल

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव में रविवार को जमीनी विवाद में लाठी-डंडों और हॉकी से जमकर मारपीट हो गई। इस हिंसक झड़प में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शाहगंज-जौनपुर मार्ग पर करीब दो घंटे तक जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव और एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ,क्षेत्राधिकारी सदर देवेश कुमार सिंह,पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया और स्थिति को सामान्य कराया। दबंगों के हमले में सावन कुमार मौर्य (25), किरण देवी (45), नीरज मौर्य, धीरज मौर्य सहित परिवार के अन्य सदस्य घायल हुए हैं। पीड़ितों का आरोप है कि बगल के गांव के कुछ दबंग आए दिन मारपीट करते हैं और पहले भी दो-तीन बार हमला कर चुके हैं। एक पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि लाइन बाजार थाना पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई न किए जाने से दबंगों के हौसले बढ़े हैं। इस मामले में जानकारी देते

हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि मारपीट की घटना में पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। परिजनों की ओर से मुलेंद्र बिंद, शैलेंद्र बिंद, धर्मेंद्र बिंद और राजन बिंद के खिलाफ तहरीर मिली है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने स्पेशल ओलंपिक विजेता दिव्यांग खिलाड़ी वासु तिवारी को किया सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। स्पेशल ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी वासु तिवारी(32)को रविवार पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने अपने लखनऊ स्थित आवास पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मंत्री कश्यप ने वासु की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि वासु तिवारी ने मार्च 2025 में इटली के ट्यूरिन शहर में आयोजित स्पेशल ओलंपिक स्नोशूइंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 25 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में लगभग 150 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

वासु की इस उपलब्धि पर इटली से लौटने के बाद संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी वासु को सम्मान प्रदान कर चुकी हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि कम उम्र में वासु ने असाधारण साहस, अनुशासन और मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वासु की शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने वासु को आगामी ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर देश और उत्तर प्रदेश का नाम और ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि इटली में आयोजित इस स्पेशल ओलंपिक के लिए वासु का प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित नारकंडा में कराया गया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने कुल 33 पदक जीते, जिनमें छह स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य पदक शामिल हैं।

वासु तिवारी मूल रूप से अयोध्या जनपद के निवासी हैं। उनकी माता डॉ. संगीता तिवारी पशुपालन निदेशालय में अपर निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनके पिता डॉ. अशोक कुमार तिवारी केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (बरेली) के निदेशक रह चुके हैं। वासु की इस सफलता में जीवन धारा पुनर्वास केंद्र, बरेली तथा कोच आकाश सक्सेना और शिवा का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन अहम रहा है।

सिविल लायर्स फोरम के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने ली शपथ

मुरादाबाद, एजेंसी। सिविल लायर्स फोरम मुरादाबाद का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को यूथ बार एसोसिएशन सभागार में आयोजित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मौ. जुनेद एजाज, सचिव श्याम कुमार सक्सेना ने नई टीम के साथ जिम्मेदारी संभाल ली। नवगठित कार्यकारिणी के अध्यक्ष मोहम्मद जुनेद एजाज, सचिव श्याम कुमार सक्सेना, उपाध्यक्ष अनिल प्रकाश, राकेश जौहरी व विकास सक्सेना, कोषाध्यक्ष जफर अली, संयुक्त सचिव मीनाक्षी सेठी, मजहबी लियाकत, विजय गोयल, दीपक जैन, सदस्य कार्यकारिणी राजेश कुमार, रविंद्र पाल सिंह, सूरजपाल सिंह, मोहम्मद मुबीन, अब्दुल रऊफ, कौशलदीप राजपूत, पारुल जैन, आशुतोष शर्मा, हर भगवान अरोड़ा, जब्बार हुसैन गौरांग भारद्वाज ने पद और गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार संभाला। कार्यवाहक अध्यक्ष इब्ने हैदर नकवी और महासचिव राम मोहन श्रीवास्तव ने नवीन कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में दी बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता, महासचिव कपिल गुप्त, एल्डर कमेटी के सदस्य महेश चंद त्यागी उपस्थित रहे।

ढोल-मंजीरा लेकर सड़कों पर उतरे लोग

बदहाल सफाई व्यवस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

कानपुर, एजेंसी। दबौली वेस्ट वार्ड संख्या-72 में गंदगी और बदहाल सफाई व्यवस्था से नाराज स्थानीय लोगों का गुस्सा रविवार को सड़कों पर फूट पड़ा। इलाके के निवासियों ने ढोल-मंजीरा लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने महापौर, स्थानीय विधायक और क्षेत्रीय पार्षद के खिलाफ तख्तियां हाथ में लेकर प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वार्ड में वर्षों से सीवर भराव, जलभराव और जर्जर सड़कों की समस्या बनी हुई है। कई-कई दिनों तक कूड़ा नहीं उठाया जाता, नालियां जाम रहती हैं और दुर्गंध के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। बावजूद इसके, बार-बार शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ढोल-मंजीरे की थाप पर प्रदर्शन करते हुए लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इलाके के रहने वाले जेपी पाल ने बताया कि आज अनोखे तरीके से प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जाहिर किया गया है।

एक नजर

ट्रैक्टर की टक्कर से राजगीर मिस्त्री की मौत

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में पड़री थाना क्षेत्र के मोहनपुर कनौरा मार्ग पर रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से राजगीर मिस्त्री की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। मोहनपुर निवासी कपिल विश्वकर्मा (40) पुत्र स्व. नान्हक विश्वकर्मा रोज की तरह काम पर जाने के लिए साइकिल से तोसवा जा रहे थे।

जैसे ही वह मोहनपुर पहाड़ी के पास पहुंचे, पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कपिल गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से उन्हें पड़री प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। मंडलीय अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्नी मालती देवी की तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

गौ संस्कृति के महत्व को प्रदर्शित करती है फिल्म गोदान : डॉ. राजकमल गुप्ता

मुरादाबाद, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद गौ सेवा के क्षेत्र प्रमुख मुरादाबाद निवासी डा. राजकमल गुप्ता ने रविवार को अपने आवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा गौ माता पर बनी फि ल्म गोदान गौ संस्कृति को संरक्षण और भारतीय परंपरा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। फिल्म में गौ सेवा के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया है। डॉ राजकमल गुप्ता ने आगे कहा कि सनातन पुराणों के अनुसार गौ माता में भगवान का निवास बताया गया है। सनातन संस्कृति में गाय को पशु नहीं बल्कि मां स्वरूप बताया है। इसलिए इसकी सुरक्षा हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है । इन्हीं प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में केंद्रित रखते हुए गोदान फिल्म का निर्माण हुआ है। इसलिए फिल्म के रिलीज होने पर हिंदू समाज में उत्साह है।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करछना थाना क्षेत्र के करेहा गांव के समीप रविवार को मोटरसाइकिल सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि हादसे में प्रयागराज जिले के घूरपुर थाना क्षेत्र के पालपुर गांव निवासी अजीत निषाद (20) पुत्र पप्पू निषाद की मौत हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए मृतक अजीत निषाद के भाई रोहित ने बताया कि उसका भाई अपने दोस्त मनी के साथ मोटरसाइकिल से करछना बालू का काम करने जा रहा था। रास्ते में करेहा गांव के समीप स्थित स्कूल की दीवार में अचानक मोटरसाइकिल जा भिड़ी। घटना में अजीत गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे लोगों ने उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दालमंडी पहुंचे विदेशी पर्यटकों ने देखा ध्वस्तीकरण और पटरी दुकानें

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में दालमंडी के बड़े बाजार की दुकानों एवं मकानों के ध्वस्तीकरण के बीच रविवार को अपनी यात्रा के दौरान विदेशी पर्यटक वहां चल रही कार्यवाही को देखने पहुंचे। विदेशी पर्यटकों ने पटरी दुकानदारों से बातचीत भी की।

दालमंडी में मस्जिद के निकट दुकानदार आसिफ ने बताया कि विदेशी पर्यटकों ने उनकी दुकान पर कपड़ों को देखा और मोड़ पर टूटी दुकान को काफी गौर से देखते रहे। विदेशी मेहमानों की भाषा बहुत समझ में नहीं आने पर भी उन्होंने कपड़ों की जानकारी अपनी टूटी फूटी अंग्रेजी में दी। दालमंडी में रविवार के चलते छोटी बड़ी दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। बाजार में विदेशी पर्यटकों को घूमता देखकर स्थानीय लोग भी मुस्कुराते हुए प्रसन्नचित दिखे। स्थानीय लोगों ने कहा कि एक तरफ दालमंडी टूट रही है और दूसरी तरफ यहां विदेशी पर्यटक घूमने आ रहे हैं। यह भी काशी में ही संभव है, जहां विदेशी मेहमानों की जिज्ञासा उन्हें खींच लाती हैं।

विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी, मौत

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के ककवन थाना क्षेत्र अंतर्गत विवाहिता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पड़ताल में जुट गई है। ककवन के रहने वाला असलम कपड़ों की सिलाई के कारीगर हैं। उसकी शादी 13 साल पहले खुशनुमा (33) के साथ हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। करीब एक साल पहले असलम ने अपनी भाभी की बहन से दूसरी शादी कर ली थी। इस शादी के बाद से घर में लगातार विवाद हो रहे थे। पड़ोसियों ने बताया कि दूसरी शादी के बाद से ही मृतका मानसिक रूप से तनाव में रहने लगी थी। इस वजह से घर में आए दिन कलह भी होती थी। देर रात भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद रविवार भोर में जानकारी मिली कि खुशनुमा ने फांसी लगा ली है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ककवन थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी में राधिका देवी की पुण्यतिथि पर 121 ब्राह्मणों ने किया महारुद्राभिषेक

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में रामापुरा क्षेत्र स्थित रानी भवानी बालिका विद्यालय में समिति अध्यक्ष राजीव पाण्डेय की मां स्वर्गीय राधिका देवी की 21 वीं पुण्यतिथि पर 121 ब्राह्मणों ने शमी के पौधे के समक्ष महारुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के पदाधिकारी एवं परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। रविवार को महारुद्राभिषेक के बाद समिति अध्यक्ष राजीव पाण्डेय ने बताया कि माता राधिका देवी का स्वर्गवास वर्ष 2005 में हुआ। विद्यालय की वर्तमान स्थिति में माता जी की भूमिका मार्गदर्शन देने की रही थी। मैं बड़ा पुत्र हूँ, विद्यालय के कार्य में जुटा हूँ। माता जी की स्मृति में भगवानपुर में राधिका देवी बालिका विद्यालय संचालित है। दूसरे स्थान पर पुत्र संजीव पाण्डेय, जो सॉफ्टवेयर अभियंता के रूप में देश की राजधानी में अपनी सेवा दे रहे हैं।

तीसरे पुत्र सुजीत पाण्डेय भी स्वयं का एक विद्यालय देवरिया में चलाते हैं और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं। तीनों पुत्रों की ओर से हर साल माता की स्मृति में महारुद्राभिषेक का आयोजन कराया जाता है।

सफारी में मोबाइल ले जाने पर एफआईआर होगी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। सफारी के टूरिस्ट और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए है कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट्?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन ये अभी पूरी नहीं हो पाई है।

ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

विजयपुरा (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बीजेपी सरकार की आलोचना कर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाकर दावा किया हैं कि हरियाणा में अपराधी खुलेआम व्यापारियों से फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने यमुनानगर की घटना का जिक्र कर आरोप लगाया कि सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। दरअसल, यमुनानगर में दो बदमाशों ने रेलवे रोड के पास स्थित मल्टी स्पेशलिटी वरयाम अस्पताल फायरिंग की। बदमाशों ने अस्पताल के रिसेप्शन इलाके में 13 से 14 राउंड फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आप नेता ढांडा ने पोस्ट में लिखा, नायब सरकार ने पूरे हरियाणा को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। यमुनानगर में अपराधी खुलेआम बेखौफ होकर गोलियां बरसा रहे हैं, जगह-जगह व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। हर दिन होती ऐसी वारदातें साफ हैं कि बीजेपी की नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी है। पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो साझा किया है, जिसमें 3 नकाबपोश व्यक्ति एक इमारत के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं, जो संभवतः कोई कार्यालय प्रतीत हो रहा है। इसके बाद ये लोग फायरिंग करते हुए वहां से निकल जाते हैं।

मुंबई से 100 नॉटिकल मील दूर बड़ी हलचल, कोस्ट गार्ड ने तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन कोस्ट गार्ड ने मुंबई के तट से लगभग 100 मील दूर एक बड़ा ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन से काफी हलचल मच गई। दरअसल मुंबई तट के बहुत करीब तीन बड़े जहाजों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। दरअसल कोस्ट गार्ड ने मुंबई से 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को देखा। इन जहाजों पर नज़र रखी जा रही थी। इस दौरान, इंडियन कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया और दस्तावेजों की जांच की, जिससे एक बड़ा खुलासा हुआ। जब कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया, तो पता चला कि इन जहाजों के मालिक दूसरे देशों में बसे हुए हैं। बताया गया है कि कोस्ट गार्ड 5 फरवरी से इन जहाजों पर कड़ी नज़र रख रहा था। इसके अलावा, जहाजों पर संदिग्ध गतिविधियां हो रही थीं। फिर कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया। पूछताछ के दौरान, यह साफ हो गया कि ये जहाज तेल की तस्करी में शामिल थे। पता चला कि ये तीनों जहाज समुद्र में अवैध रूप से तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को दूसरे जहाजों में ट्रांसफर कर रहे थे। आखिरकार, शनिवार दिनांक 7 फरवरी को कार्रवाई की गई। पूछताछ के बाद, तीनों जहाजों को मुंबई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, तीनों जहाजों के चालक दल के सदस्य भी भारत की हिरासत में हैं। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि ये जहाज कहां से आए थे और मुंबई तट से कहां जा रहे थे।

सबूतों के अभाव में अदालत ने मुजफ्फरनगर दंगा केस में 22 आरोपियों को बरी किया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी किया। शासकीय अधिवक्ता ने इसकी जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने कहकर आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में नाकाम रहा। उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हुई। जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। भारत के मसाला निर्यात में 88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और भारतीय मसाले व मसाला उत्पाद दुनिया के 200 देशों तक पहुंच रहे हैं। 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 4.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में दोनों बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुके हैं। अमेरिका के अलावा यूएई के 27 देश, ओमान, न्यूजीलैंड और यूके के साथ भारत एफटीए कर चुका है, जबकि अन्य देशों से बातचीत चल रही है। चौहान ने कहा कि इन सभी समझौतों का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था, किसानों, मजदूरों, गरीबों, निर्यातकों और निर्माताओं को मिलेगा और 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ये मील का पत्थर साबित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारत का टैरिफ अब प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले काफी कम होकर 18 फीसदी रह गया है। इससे कपास किसानों, टेक्सटाइल निर्माताओं, जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग गुड्स को नई गति मिलेगी, साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका भी इस समझौते से मजबूत होगी।

रील का जुनून : बांदा में फंदा लगाकर वीडियो शूट करते समय महिला की मौत

बांदा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। वायरल होने की चाहत में अपनी जान जोखिम में डालना एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुआ। मामला बबेरू कोतवाली कस्बे के करूड्या पुरवा का है, जहां 27 वर्षीय मोहिनी नाम की महिला रील के लिए फांसी का सीन रिकॉर्ड कर रही थी, लेकिन तभी अचानक फंदा कस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहिनी को सोशल मीडिया पर रील बनाने का काफी शौक था और वह अक्सर नए-नए तरीकों से वीडियो शूट करती रहती थी। जिस समय यह घटना हुई, महिला का पति जगदीश काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। अकेलेपन का फायदा उठाकर मोहिनी ने रील बनाने की योजना बनाई। उसने छत के हुक पर रस्सी डालकर फांसी का एक फंदा तैयार किया और सामने मोबाइल कैमरा सेट कर वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। अभिनय के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और गले में पड़ा फंदा वास्तव में कस गया। मोहिनी ने खुद को बचाने की काफी जद्दोजहद की, लेकिन फंदा कसता चला गया और दम घुटने से उसकी जान चली गई। हादसे का पता तब चला जब महिला की 4 वर्षीय बेटी कमरे में पहुंची। अपनी मां को फंदे पर लटका देख वह बुरी तरह डर गई और जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला रील बनाने के दौरान हुए हादसे का लग रहा है, क्योंकि मौके पर मोबाइल कैमरा रिकॉर्डिंग मोड में मिला था। हालांकि, पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

कांग्रेस ने नवजोत कौर को किया निष्कासित, सिद्धू ने राहुल गांधी को कहा पप्पू

-नवजोत कौर का यह बयान उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद नवजोत कौर के तेवर और भी तीखे हो गए। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने राहुल गांधी को पप्पू कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपए का सूटकेस देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू सक्रिय राजनीति में तभी लौटेंगे जब उन्हें सीएम पद का चेहरा बनाया जाएगा। उस समय उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में इतनी गुटबाजी है कि वे नवजोत सिद्धू को आगे नहीं बढ़ने देंगे। वहां पहले से ही पांच दावेदार सीएम बनने का सपना देख रहे हैं और वे खुद कांग्रेस को हराने पर तुले हुए हैं।

एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से बिहार का चुनाव जीता गया है। अब पश्चिम बंगाल में लगातार यही कोशिश हो रही है। इसकारण बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्ती को बीजेपी की काली करतूत को उजागर करने के लिए काला कोट पहनकर सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा।

प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश अपने साथ सुल्तानपुर निवासी नंदलाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा कि नंदलाल से बीजेपी ने एसआईआर का फॉर्म 7 भरा लिया। बीजेपी पर हमला बोलकर अखिलेश यादव ने कहा कि द्वापर और त्रेता के नाम वाले लोगों, दशरथ

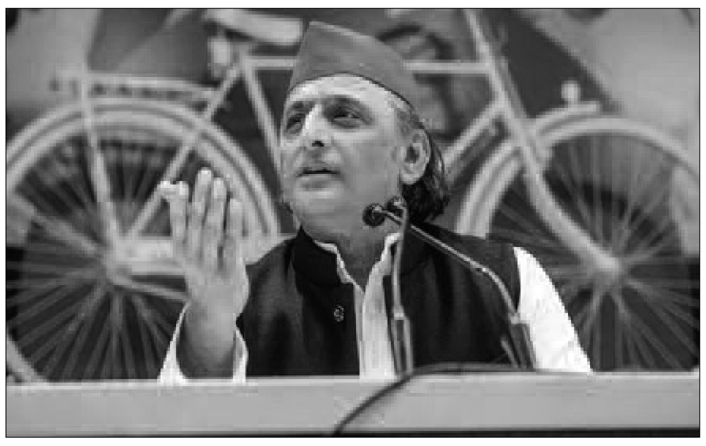

और नंदलाल से हमें बहुत मदद मिल गई। बता दें कि नंदलाल अंगूठा लगाते हैं। इसके बाद बीजेपी ने इनके फर्जी दस्तखत कर फॉर्म भरवा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की तरफ से नंदलाल को 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7, जिससे नाम पर आपत्ति दर्ज होती है भरवाना तुरंत बंद करे।

अखिलेश ने कहा कि आयोग को सिर्फ फॉर्म-6 नाम जोड़ने वाले फॉर्म ही भरवाने चाहिए। नंदलाल के नाम पर 26 फॉर्म-7 भरे गए थे। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह एसआईआर, नहीं एनआरसी है।

इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी एक समुदाय के कुछ लोगों का इस्तेमाल उसी समुदाय के खिलाफ करती है। वहीं जब विवाद बढ़ जाता है, तब वह दिखावे के लिए नकली कार्रवाई का नाटक करती है। आपको बता दें कि अखिलेश के ये बयान जाहिर तौर पर घूसखोर पंडित नाम की एक फिल्म को लेकर हुए विवाद के बारे में थे। जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

मौसम में बड़े बदलाव के संकेत, उत्तर भारत में बारिश-बर्फबारी और कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और सब-ट्रॉपिकल पश्चिमी जेट स्ट्रीम के सक्रिय होने से देश के कई राज्यों में मौसम की गतिविधियों में बदलाव देखा जाएगा। इसके प्रभाव से कहीं तेज हवाएं चलेंगी, तो कहीं बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होगा।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो से तीन दिनों तक 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही पहाड़ी इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है और सड़क व हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 9 से 11 फरवरी के बीच मौसम बिगड़ने के आसार हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 8 फरवरी की रात से सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 10 फरवरी को इन राज्यों के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान मौसम विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को ऊंचे इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में घने कोहरे और कोल्ड डे (ठंडा दिन) जैसी स्थिति बनी रह सकती है। विशेष रूप से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी व घाटी वाले इलाकों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी काफी कम रह सकती है। कोहरे के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों और उड़ानों के समय में भी देरी होने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा हाल?

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध महसूस की जा सकती है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आने वाले पूरे हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में किसी बड़े मौसमी उलटफेर की संभावना नहीं है, लेकिन सुबह और शाम की ठंड बरकरार रहेगी। न्यूनतम तापमान को लेकर आईएमडी का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक पारे में कोई खास गिरावट या बढ़ोतरी नहीं होगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है। मध्य भारत में भी दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने के आसार हैं, जबकि पूर्वी भारत में अगले चार दिनों तक तापमान स्थिर रहने के बाद धीरे-धीरे बढ़ेगा। कुल मिलाकर, फरवरी का दूसरा सप्ताह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के लिए मिश्रित मौसमी प्रभाव वाला रहने वाला है।

सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

-गिरफ्तारी के समय सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई थी तीखी नोकझोंक

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू भगत ने कहा कि सरकर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। सांसद पप्पू यादव लगातार सदन में आम जनता की आवाज उठाते हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार को यह हजम नहीं होता। सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां की जनता इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के मामले में कहा कि हर चीज को इतना बड़ा चढ़ा कर पेश करना कि हर चीज में साजिश हो रही है जान से मारने यह नॉर्मल एक प्रक्रिया का हिस्सा है। क्या कोई किसी सांसद को ऐसे ही नहीं गिरफ्तार कर सकता है। यकीनन कहीं ना कहीं कुछ तथ्य सामने आए होंगे। कुछ ऐसे प्रमाण मिले होंगे जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पप्पू यादव के मामले में राहुल गांधी के समर्थन करने पर एनडीए की सरकार में एक बात स्पष्ट है अगर कोई दोषी है तो वह बक्शा नहीं जाएगा। अगर कोई बेगुनाह है तो उसके ऊपर कोई आंच नहीं आएगी।

बता दें पप्पू यादव को 31 साल पुराने केस में बेल टूटने पर गिरफ्तार किया गया। दरअसल, पटना के शास्त्री नगर थाने में साल 1995 केस दर्ज किया गया था। यह केस विनोद बिहारी लाल ने दर्ज कराया था। बार-बार बुलाने के बाद भी पप्पू यादव और दो अन्य अभियुक्त कोर्ट नहीं आ रहे थे। आरोप था कि पप्पू यादव 1994 में जब पहली बार सांसद बने थे। तब इन्होंने पटना में ऑफिस बनाने के लिए एक मकान किराए के लिए लिया था। रहने के नाम पर और उसमें ऑफ़िस बनाया।

वायुसेना की शक्ति में ऐतिहासिक इजाफा: 3.25 लाख करोड़ के राफेल सौदे पर मुहर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अत्याधुनिक राफेल विमानों की सफलता के बाद अब 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। रक्षा गलियारों से मिल रही जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आगामी भारत दौरे से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इस बैठक में लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस महा-प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिल सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली हुई परिस्थितियों में भारत अपने रक्षा क्षेत्र को अभूतपूर्व तेजी से मजबूत कर रहा है।

आगामी 18 से 20 फरवरी तक भारत में आयोजित होने वाली एआई समिट में राष्ट्रपति मैक्रों की भागीदारी के दौरान इस सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। प्रस्तावित योजना के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 114 विमानों में से 18 विमान फ्लाई अवे यानी पूरी तरह तैयार स्थिति में फ्रांस से सीधे भारत आएंगे। वहीं, शेष विमानों का बड़ा हिस्सा मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत में ही निर्मित किया जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 से 80 फीसदी विमानों का निर्माण भारतीय धरती पर होगा, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी दसॉ और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस बेड़े में 88 सिंगल सीटर और 26 ट्विन सीटर विमान शामिल होने की संभावना है। रक्षा खरीद बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब यह मामला अगले स्तर की मंजूरी के करीब है, जिसके बाद तकनीकी और वाणिज्यिक स्तर पर औपचारिक बातचीत का दौर शुरू होगा।

रक्षा क्षेत्र में यह निवेश भारत की दूरगामी रणनीति का हिस्सा है। चालू वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह कुल सकल घरेलू उत्पाद का 1.99 प्रतिशत है। इस बजट में सेनाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, विशेषकर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों और सीमा पर उभरते नए समीकरणों को देखते हुए भारत के लिए अपनी वायु शक्ति को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। इस डील के पूरा होने के बाद भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की कुल संख्या 176 हो जाएगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। सरकार न केवल हथियारों की खरीद पर, बल्कि अनुसंधान और विकास पर भी निवेश बढ़ा रही है। इस बार अनुसंधान के लिए 17,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। साथ ही, रक्षा पेंशन के लिए भी बजट बढ़ाकर 1.71 लाख करोड़ रुपये किया गया है। यह निवेश और राफेल जैसा रणनीतिक सौदा यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ तकनीकी श्रेष्ठता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों की श्रेणी में अपनी जगह पक्की कर रहा है।

अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

- कॉरपोरेट एक्शन के चलते निवेशकों की नजर बाजार पर

नई दिल्ली । आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1:10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

- बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन रही

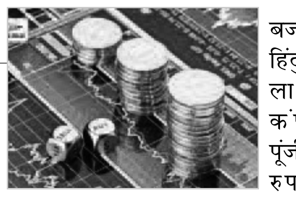

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का क्रम रहा।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

- भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत मार्च तक साइन होने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है। वहीं अमेरिका भारत से आने वाले कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ हटाएगा, जबकि कुछ पर 18 फीसदी शुल्क बना रहेगा।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नईदिल्ली । नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया।

दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

बजाज ऑटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रॉयल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रॉयल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफॉर्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

- समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे घटा सकता है रूस से कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी।` रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

सन फार्मा ऑर्गेनिक ग्रोथ पर कायम, अधिग्रहण में रखेगा अनुशासित रुख

कंपनी का कहना है कि वह बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी

नई दिल्ली । दवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सन फार्मा ने स्पष्ट किया है कि उसका मुख्य ध्यान खुद की मेहनत और संसाधनों से विकास (ऑर्गेनिक ग्रोथ) पर रहेगा। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह रणनीति शेयरधारकों के लिए निवेश को आकर्षक बनाए रखने के उद्देश्य से अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी। अधिग्रहण पर विचार केवल तब किया जाएगा जब इससे कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता मजबूत हो। अे धिकारी ने अमेरिका को कंपनी की रणनीति का प्रमुख केंद्र बताया, खासकर नई और आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में। इसके साथ ही कंपनी वैश्विक स्तर पर इन दवाओं की पहुँच बढ़ाने पर जोर दे रही है। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए कंपनी छोटे और रणनीतिक अधिग्रहण (टेक-इन्स) पर ध्यान दे रही है। यह रणनीति मौजूदा कारोबार के साथ एकीकृत करके बाजार में विस्तार करने में मदद करेगी।

अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' पहल में शामिल होने का निमंत्रण दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' नामक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा और नवाचार पहल में शामिल होने का निमंत्रण देकर उत्साह जताया है। अमेरिका ने कहा है कि जल्द ही भारत सरकार के साथ इस पहल पर आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और नवाचार आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। यह पहल महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा इनपुट, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक सहित कई क्षेत्रों को कवर करती है। शुरुआत में इसके सदस्य देश ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इज़राइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन थे। अमेरिकी आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा कि जनवरी 2026 तक भारत की वैचारिक सहमति बन चुकी थी और अब दोनों देशों के बीच जल्द ही बड़े समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। उन्होंने भारत की युवा और तकनीकी प्रतिभा को चीन के मुकाबले महत्वपूर्ण बताया। अमेरिका के लिए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत और भरोसेमंद भागीदार है। हेलबर्ग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच शानदार संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की इस पहल में शामिल होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

- रो-रो टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए

नई दिल्ली । गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियाँ भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट के ये रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेज़ी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

- भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली । विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लांच हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल से एयरपोर्ट पर कैब सेवाओं में पारदर्शिता, किराए की स्पष्टता और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित होगा। साथ ही, ड्राइवरों को भी संगठित प्लेटफॉर्म के जरिए स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। एएआई का कहना है कि यह साझेदारी यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी परिवहन मॉडल को बढ़ावा देगी। आने वाले समय में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाएगा।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रे ति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रे ति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्रे ति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रे ति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

फार्मा से ऑटो तक, अमेरिका में इन सेक्टरों की चमक बढ़ेगी कई गुना

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका ने एक अंतरिम व्यापार ढांचे पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य आने वाले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। समझौते के तहत दोनों देशों के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाई जाएगी। कुछ प्रमुख वस्तुओं पर शुल्क में कटौती होगी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रारंभ में भारतीय निर्यात पर लगभग 18 फीसदी शुल्क लागू रहेगा, लेकिन बाद में महत्वपूर्ण सेक्टरों में और रियायत संभव है। भारतीय जेनरिक दवाओं और फार्मा सामग्री को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। अमेरिकी समीक्षा के बाद शुल्क में रियायत दी जाएगी। भारत से अमेरिका का फार्मा निर्यात सालाना लगभग 9.78 अरब डॉलर का है। शुल्क कटौती से भारतीय दवाओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बाजार हिस्सेदारी में सुधार होगा। अमेरिका भारत से आयातित रत्न और गहनों पर शुल्क घटा रहा है। इससे भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा, जबकि विमान और विमान पार्ट्स पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कुछ शुल्क हटाए जा रहे हैं। इसके चलते एल्यूमिनियम, स्टील और तांबे के घटकों सहित विमान उद्योग के उत्पादकों को अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलेगा।

टाटा मोटर्स अगले हफ्तों में बढ़ा सकती है वाहनों की कीमतें

- जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर बना रही है दबाव

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनी अपने वाहनों की कीमतें आने वाले हफ्तों में बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक साल से जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर दबाव बना रही है। अे धिकारी के अनुसार इस लागत वृद्धि का असर टीएमपीवीएल के राजस्व में लगभग दो प्रतिशत से अधिक देखने को मिला है। इस बीच मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने जनवरी में अपने वेंयू मॉडल की कीमतें पहले ही बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी आने वाले हफ्तों में संभावित मूल्य वृद्धि की घोषणा कर सकती है लेकिन उन्होंने अभी विस्तृत संख्या या प्रतिशत साझा नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती कच्चे माल की कीमतों के कारण ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मूल्य समायोजन की संभावना बढ़ रही है और टाटा मोटर्स इसका पालन करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

संक्षिप्त

आज से शुरू हो रही आल इंडिया इंटर जोनल महिला

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। सीयू इस बार ऑल इंडिया इंटर जोनल कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। प्रतियोगिता की मेजबानी करने के लिए सीयू पूरी तरह तैयार है। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे प्रदेश के खेल इतिहास के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह बेहद खास होने वाला है। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली , एजेंसी। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया।

संगम प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 11 फरवरी से

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आनंद शुक्ला-मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए संगम प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता 11 से 28 फरवरी तक केपी इंटर कॉलेज मैदान प्रयागराज में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। सभी मुकाबले 40-40 ओवर के खेले जायेंगे। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश द्विवेदी ने रविवार सायं पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि प्रतियोगिता में जस्टिस एसएन द्विवेदी इलेवन, मुख्य न्यायाधीश एसके वर्मा इलेवन, मुख्य न्यायाधीश अमिताव बनर्जी इलेवन, मुख्य न्यायाधीश एचएन सेठ इलेवन, जस्टिस यशोदा नंदन इलेवन, जस्टिस एएन वर्मा इलेवन की टीम भाग लेगी। उद्घाटन मुकाबला जस्टिस एसएन द्विवेदी इलेवन एवं जस्टिस यशोदा नंदन इलेवन के मध्य 11 फरवरी को प्रातः 9 बजे केपी इंटर कॉलेज पर खेला जायेगा।

बीसीपीएल कॉर्पोरेट पेशेवरों के सपनों को देगा उड़ान : गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर सौरव गांगुली और जहीर खान ने रविवार को भारतीय कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग (बीसीपीएल) सीजन 4 के ट्रॉफी और जर्सी अनावरण समारोह में शामिल हुए। लीग अपने अब तक के सफर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्वरूप अपनाने जा रही है, जिसमें दस टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सौरव गांगुली ने कहा कि जब मेरी मुलाकात बीसीपीएल के चेयरमैन सौरभ झा से हुई, तो मैंने उनसे कहा कि हम सभी की शुरुआत कुछ इसी तरह से हुई थी। हमारे शुरुआती दिनों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी। मैंने टाटा स्टील के लिए काम किया और काफी कॉर्पोरेट क्रिकेट खेला, जिससे मुझे जरूरी एक्सपोजर मिला और मैं चयनकर्ताओं की नजर में आया।

टी20 विश्व कप: 25 मैचों का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान 180 प्लस रन बनाने के बाद पहली बार हारा

टी20 विश्व कप

- **टिम सेफर्ट का अर्धशतक, न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया**

चेन्नई, एजेंसी। अफगानिस्तान की गेंदबाजी को दुनिया के श्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण के रूप में देखा जाता है। स्पिन गेंदबाजी को तो श्रेष्ठतम माना जाता है। स्पिन पिच पर अफगानिस्तान दुनिया की किसी भी बड़ी टीम को हराने का माद्दा रखती है।

चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर अफगानिस्तान के स्पिनरों ने निराश किया और बेहतर शुरुआत के बाद रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस हार की वजह से अफगानिस्तान का एक बड़ा रिकॉर्ड भी टूटा है।

अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए इस मैच से पहले टी20 में 25 बार 180 या उससे अधिक का स्कोर पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाया था और हर बार मैच जीतने में सफलता हासिल की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान का जीत का ये क्रम टूट गया। अफगानिस्तान को 182 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। 26 मौकों में पहली बार ऐसा हुआ है जब अफगानिस्तान को 180 रन से अधिक बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है।

मैच की बात करें तो अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुलबदीन नायब के 63 रनों की पारी की बदौलत 182 रन बनाए थे। गेंदबाजी की शुरुआत भी अफगानिस्तान ने शानदार की थी और दूसरे ही ओवर में स्पिनर मुजीब ने न्यूजीलैंड के 2 विकेट बैक टू बैक गेंदों पर गिरा दिए। इसके बाद अफगानिस्तान के स्पिनर अपनी क्षमता और प्रतिष्ठा के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके और टीम को हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने सलामी बल्लेबाज टिम सेफर्ट के 65 रनों की बदौलत 17.5 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया।

राशिद खान ने हार के लिए खराब गेंदबाजी को ठहराया जिम्मेदार

चेन्नई, एजेंसी।अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।अच्छी शुरुआत के बाद मिली हार से अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान निराश नजर आए।राशिद ने हार के लिए अपनी गेंदबाजी को दोष दिया।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान राशिद ने कहा, "182 का स्कोर अच्छा था, लेकिन हमने सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं की।इस वजह से बहुत ज्यादा रन बन गए।अगर हमने विकेट और गुड लेंथ पर गेंदबाजी की होती तो स्कोर करना मुश्किल होता।हमने इस मैच में अपनी गेंदबाजी को लेकर बहुत कुछ सीखा है।हमारे पास कुछ प्लान भी है, लेकिन उसे मैच के दौरान लागू करना अहम है।"

दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एंबेसडर बने शिखर धवन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पहले दिल्ली खेल महाकुंभ का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल निदेशालय की इस पहल का उद्देश्य राजधानी में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी को मजबूत करना और प्रतिभाओं की पहचान करना है।

दिल्ली खेल महाकुंभ का पहला संस्करण 13 फरवरी से राजधानी के 16 जगहों पर आयोजित होगा, जिसमें हजारों युवा एथलीट बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, स्क्वैश और वॉलीबॉल में हिस्सा लेंगे। आयोजन में दिल्ली के सभी 12 जिलों का प्रतिनिधित्व होगा।

दिल्ली खेल महाकुंभ को एक बड़े पैमाने पर मल्टी-स्पोर्ट प्लेटफॉर्म के तौर पर सोचा गया है जो स्कूल और कम्युनिटी स्तर के एथलीटों को एक साथ लाता है, और उन्हें मुकाबला करने, एक्सपोजर पाने और प्रोफेशनल खेल के रास्तों की ओर पहला कदम बढ़ाने के लिए व्यवस्थित मौके देता है।

यह पहल युवाओं के विकास और शिक्षा के एक अहम हिस्से के तौर पर खेल को बढ़ावा देने के दिल्ली सरकार के वादे को दिखाती है। दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा, "दिल्ली खेल महाकुंभ को प्रतिभा और खेल विकास के लिए एक बदलाव लाने वाले प्लेटफॉर्म के तौर पर शुरू किया गया है। ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शिखर धवन का जुड़ना इस पहल को बहुत ज्यादा भरोसा और प्रेरणा देता है।

लवलीना और अरुंधति की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट 2026 में नौ स्वर्ण पदक जीते

ला नूसिया (स्पेन), एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ स्वर्ण पदक जीते।

शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता।

बॉक्सैम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''बॉक्सैम एलीट ने मुक्केबाजों को वैसा ही अनुभव दिया जिसकी हम सत्र के इस चरण में तलाश कर रहे थे। स्पेन में प्रदर्शन, विशेष रूप से फाइनल में जीत का अनुपात हमारे कार्यक्रम की प्रगति को दर्शाता है। पूरे दल को एक उत्कृष्ट अभियान के लिए बधाई। ''

भारतीय महिलाओं ने अंतिम दिन बेहतरीन प्रदर्शन किया। मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की मार्टा लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर सर्वसम्मत जीत के साथ शुरुआत की। फिर पूनम (54 किग्रा) ने एक कड़े मुकाबले वाले हमवतन प्रीति को हराया।

प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की।

लवलीना (75 किग्रा) ने संयम से खेलते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80 किग्रा) ने यूक्रेन की रायसा पिस्कुन पर जीत से क्लीन स्वीप पूरा किया।

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय महिला मुख्य कोच सांटियागो नीवा ने कहा, ''महिलाओं का प्रदर्शन असाधारण था। सिर्फ पदक के मामले में ही नहीं बल्कि उनके अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ मुक्केबाजी के लिए। सात फाइनल में पहुंचकर और सभी सात जीतना, यह दिखाता है कि पूरी प्रणाली में कितना अच्छा काम हो रहा है।

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60 किग्रा) ने कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया जबकि आकाश (75 किग्रा) ने कजाखस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 की जीत के बाद एक और स्वर्ण पदक जीता।

रोहतक रॉयल्स बने पहले कबड्डी चैंपियंस लीग विजेता

कबड्डी चैंपियंस लीग

रोमांचक फाइनल में भिवानी बुल्स को 32–30 से हराया

- **भिवानी बुल्स के देवांक दलाल को रेडर ऑफ द मैच और भिवानी बुल्स के ही परवेश मलिक को डिफेंडर ऑफ द मैच चुना गया**

सोनीपत, एजेंसी। हरियाणा के राय स्थित खेल विश्वविद्यालय के खचाखच भरे स्टेडियम में कबड्डी चैंपियंस लीग का शानदार समापन हुआ। यहां रोहतक रॉयल्स ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में भिवानी बुल्स को 32-30 से हराकर केसीएल के पहले चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। भिवानी बुल्स के देवांक दलाल को रेडर ऑफ द मैच और भिवानी बुल्स के ही परवेश मलिक को डिफेंडर ऑफ द मैच चुना गया।

भिवानी बुल्स के लिए देवांक दलाल ने बोनस अंक लेकर खाता खोला, लेकिन रोहतक की ओर से विजय मलिक और राकेश सिंह ने आक्रामक रेड के दम पर बढ़त बना ली। शुरुआती दौर में रोहतक ने पहला ऑल-आउट कर 9–3 की बढ़त ले ली। हालांकि देवांक की बेखौफ रेड और सौरव की वापसी ने भिवानी को मुकाबले में बनाए रखा। पहले हाफ तक रोहतक 20–16 से आगे था।

दूसरे हाफ में मैच पूरी तरह रणनीतिक जंग में बदल गया। परवेश मलिक ने हाई-5 पूरा कर भिवानी को बढ़त दिलाई, जबकि रोहतक ने संयमित खेल दिखाया। चोट के बावजूद देवांक ने संघर्ष जारी रखा और टीम को अंत तक मुकाबले में रखा।

आखिरी पलों में राकेश सिंह की समझदारी भरी रेड और संदीप नरवाल के लगातार सफल टैकल निर्णायक साबित हुए। अंतिम सेकंडों में दो महत्वपूर्ण डिफेंस ने रोहतक की जीत पक्की कर दी।

फाइनल मुकाबले को देखने हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार सहित कई खेल प्रशासक मौजूद रहे। सभी ने लीग को जमीनी स्तर पर कबड्डी को मजबूत मंच देने वाला बताया।

जीत के बाद विजय मलिक ने कहा कि टीम ने दबाव में धैर्य बनाए रखा और कड़ी मेहनत का फल मिला। मुख्य कोच सुरेंद्र नाडा ने बताया कि टीम की रणनीति मजबूत डिफेंस और देवांक को नियंत्रित करने पर केंद्रित थी, जो सफल रही।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिले यूएसए एम्बेसडर

मुंबई, एजेंसी। भारत में अमेरिका के एम्बेसडर सर्जियो गोर ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत बनाम यूएसए मैच के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मुलाकात की।

मुलाकात के बाद सर्जियो गोर ने एक्स पर लिखा, "आज टी20 विश्व कप में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलकर खुशी हुई। हमने अमेरिका में हमारे विश्व-स्तरीय संरचना, प्रतिभाओं और जबरदस्त फैंस के साथ क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की।"

गोर ने बिजनेसमैन मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी से भी मुलाकात की।

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए सर्जियो गोर ने एक्स पर लिखा, "अपने दोस्तों मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को टी20 विश्व कप में भारत और अमेरिका मैच के दौरान देखकर बहुत अच्छा लगा।"

सर्जियो गोर ने जय शाह और अमेरिकी टीम के साथ भी एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमें अपनी अमेरिकन क्रिकेट टीम पर गर्व है। आज रात मुंबई में एक बहुत ही रोमांचक मैच हुआ।

यूएसए में क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। टी20 विश्व कप 2024 में यूएसए ने पाकिस्तान को हराकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया था। मैच की बात करें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंद पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 84 रन बनाकर भारत का स्कोर 161 रन तक पहुंचाया।

यूएसए की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन बना सकी और 29 रन से मैच हार गई।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज ने 3, जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती को 1 विकेट मिला। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान लेगा यू टर्न, विश्व कप में भारत के साथ खेलने की पूरी संभावना: सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार की सलाह पर बांग्लादेश क्रिकेट के समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 में भारत के साथ 15 फरवरी को प्रस्तावित मैच का बहिष्कार करने का फैसला लिया था। लगातार बदलते घटनाक्रमों के बीच पाकिस्तान भारत के खिलाफ न खेलने के अपने फैसले से पलट सकता है। 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के खिलाफ मैच होने की संभावना पूरी तरह बढ़ गई है।

भारत-पाकिस्तान मैच को अंतिम रूप देने के लिए अंतिम दौर की बैठक चल रही है।

सूत्रों ने बताया कि बैठक चल रही है, और इस बात की 99 प्रतिशत संभावना है कि भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को होगा।

इससे पहले, पीसीबी ने कहा था कि वे 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के साथ होने वाला मैच नहीं खेलेंगे। पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़े होने की शर्त पर ही विश्व कप में शामिल होने की अनुमति दी थी।

पाकिस्तान की घोषणा के जवाब में, आईसीसी ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए पीसीबी से आपसी सहमति से कोई हल निकालने की अपील की थी। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा था कि चुनिंदा भागीदारी वैश्विक प्रतियोगिता के सिद्धांतों को कमजोर करती है।

आईसीसी ने कहा, "जबकि आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से आधिकारिक जानकारी का इंतजार कर रहा है, चुनिंदा भागीदारी की इस स्थिति को एक वैश्विक खेल इवेंट के मूल आधार के साथ मिलाना मुश्किल है, जहां सभी भाग लेने वाली टीमों से इवेंट शेड्यूल के अनुसार बराबर शर्तों पर मुकाबला करने की उम्मीद की जाती है।"

टी20 विश्व कप | **कागिसो रबाडा का प्रदर्शन हमेशा की तरह महत्वपूर्ण होगा**

कनाडा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

अहमदाबाद, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका को खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है तो सोमवार को कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करते हुए अपने हालिया फॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

कनाडा के पास मैच अभ्यास की कमी है लेकिन टीम मजबूत छाप छोड़ने की कोशिश कर रही है।

जून 2024 में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 फाइनल हारने के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने 32 मैच में से सिर्फ 12 में जीत हासिल की है।

हालांकि पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के बाद अब उनमें विश्व खिताब जीतने का आत्मविश्वास बढ़ा है।

रेयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स मूल टीम का हिस्सा नहीं थे लेकिन डोनावन फेरेरा और टोनी डि जॉर्जी के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में जगह मिली है।

केशव महाराज स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगे जबकि भारत और श्रीलंका की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा का प्रदर्शन हमेशा की तरह महत्वपूर्ण होगा।

बल्लेबाजी विभाग में क्विंटन डिकॉक और डेवाल्ड ब्रेविस पर नजरें रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले टूर्नामेंट में बारबडोस में फाइनल में अधिकांश समय लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में होने के बावजूद भारत से हार गई थी और टीम पर इसका असर दिखेगा।

दूसरी ओर कनाडा ने पिछले चार महीने में शीर्ष स्तर का अधिक क्रिकेट नहीं खेला है। टीम अपना लगातार दूसरा टी20 विश्व कप खेल रही है जिसमें 23 साल के दिलप्रीत बाजवा ने निकोलस किर्टन से कप्तानी संभाली है।

कनाडा की टीम क्वालीफिकेशन में अजेय रही और उसने फाइनल सहित अमेरिका के अपने सभी छह क्षेत्रीय मुकाबले जीते।

दूसरी तरफ पिछले टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद जिम्बाब्वे के पास खुद को साबित करने का मौका है। कप्तान सिकंदर रजा और विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर जैसे कई जाने-पहचाने चेहरे टीम का हिस्सा हैं लेकिन टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 22 वर्षीय ब्रायन बेनेट ने जिम्बाब्वे को अफ्रीकी क्वालीफायर में आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निभाई।

बेनेट अपने घरेलू मैदान पर बेहतरीन फॉर्म में थे। उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शतक लगाकर जिम्बाब्वे की विश्व कप में जगह सुनिश्चित की। उन्होंने नवंबर में पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में भी कुछ अच्छी पारियां खेलीं और अगर जिम्बाब्वे को विरोधी टीम को चौंकाना है तो इसमें उनकी अहम भूमिका हो सकती है।

जिम्बाब्वे ने चार साल पहले फाइनल में पहुंचने वाले पाकिस्तान को हराया था और वे अपने दूसरे मैच में ग्रुप की प्रबल दावेदार टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने से पहले ओमान के खिलाफ दबदबे वाली शुरुआत करना चाहेंगे।

ओमान टी20 टूर्नामेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहा है।

सूर्यकुमार में वह ठहराव आ गया है जो एमएस धोनी में था : हरमीत सिंह

मुंबई, एजेंसी। दबाव के क्षणों में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का शांतचित्त आत्मविश्वास अमेरिका के स्पिनर हरमीत सिंह को महान महेंद्र सिंह धोनी की याद दिलाता है।

अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारत को संकट से निकालकर सूर्यकुमार ने 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी खेली और जीत के सूत्रधार रहे।

यह पूछने पर कि क्या उन्होंने और सूर्यकुमार ने कभी सोचा था कि सूर्यकुमार का कैरियर इस तरह से आगे जायेगा, हरमीत ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा ,'' बेशक, हम यह सब सोचते थे लेकिन उन्हें सफलता देर से मिली । मुझे लगता है कि अब उनमें वह ठहराव आ गया है जो एमएस धोनी में भी उनके कैरियर के आखिरी दौर में था।

उन्होंने कहा ,'' एक स्ट्रोक प्लेयर के तौर में उनमें जो लय थी, उन्होंने एक समझदारी भरी पारी खेलकर फिनिशर की भूमिका निभाई।

हरमीत ने कहा ,''उस तरह की परिपक्वता जो विराट जैसे क्रिकेटरों में होती है। उसने एक परिपक्व पारी खेली और यह अनुभव के साथ आता है। उसे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह बखूबी निभा रहा है।

भारतीय मूल के खिलाड़ी हरमीत ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिये।

मच्छरों के काटने से क्या बच्चे इम्यून होते हैं? जानिए सच्चाई और सही इलाज

अक्सर माता-पिता के मन में सवाल होता है कि क्या छोटे बच्चे मच्छरों के काटने से सुरक्षित या इम्यून होते हैं? और अगर मच्छर काट ले तो उसे ठीक करने का सबसे सुरक्षित तरीका क्या है? डॉक्टरों के मुताबिक इसका जवाब जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है।

क्या बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून होते हैं?

इसका जवाब है नहीं, बच्चे मच्छरों के काटने से बिल्कुल भी इम्यून नहीं होते। दरअसल बच्चों की इम्यूनिटी पूरी तरह विकसित नहीं होती उनकी त्वचा पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए मच्छर के काटने पर ज्यादा लालिमा, सूजन खुजली दिख सकती है। कुछ मामलों में बच्चों को एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकता है।

मच्छर काटने से बच्चों को खतरा

मच्छर सिर्फ खुजली ही नहीं, बल्कि कई बीमारियां फैला सकते हैं जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका वायरस। छोटे बच्चों में इन बीमारियों का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है।

बच्चों में मच्छर काटने का सबसे सुरक्षित इलाज

ठंडी सिकाई : साफ कपड़े में बर्फ लपेटकर 5-10 मिनट काटे हुए हिस्से पर रखें। इससे सूजन और खुजली कम होती है

एलोवेरा जेल: 100% शुद्ध एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और जलन कम करता है

कैलामाइन लोशन : डॉक्टर की सलाह से खुजली और लालिमा में राहत देता है

नाखून छोटे रखें: खुजली में बच्चा खरोंच सकता है, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

साफ-सफाई का ध्यान रखें: काटे हुए हिस्से को साफ पानी से धोएं, गंदे हाथ न लगने दें

इन बातों का रखें ध्यान

6 महीने से छोटे बच्चों पर केमिकल रिपेलेंट न लगाएं, घरेलू नुस्खों में सरसों का तेल, कपूर या तेज चीजें न लगाएं। बिना डॉक्टर की सलाह कोई क्रीम या दवा न लगाएं। बच्चों को बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, फुल स्लीव कपड़े पहनाएं, घर में पानी जमा न होने दें

बेबी-सेफ मच्छर रिपेलेंट ही इस्तेमाल करें। अगर काटे हुए हिस्से पर बहुत ज्यादा सूजन हो बुखार आ जाए, बच्चा लगातार रो रहा हो, दाने फैलने लगें तो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पेरेंट्स के लिए जरूरी बात

बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून नहीं होते, बल्कि उन्हें ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। सही इलाज और बचाव से बच्चों को खुजली, इंफेक्शन और गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। बच्चों की सुरक्षा में छोटी सावधानी, बड़ी बीमारी से बचा सकती है।

सोशल मीडिया के नए ट्रेंड से छोटे बच्चों में बढ़ा मेकअप क्रेज ,डॉक्टरों ने दी चेतावनी

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण अब छोटे बच्चे और टोडलर्स भी स्किनकेयर और मेकअप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ बच्चों की त्वचा को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी मानसिकता और सोच पर भी असर डाल रहा है।

बच्चों में स्किनकेयर और मेकअप का चलन क्यों बढ़ा?

आजकल बच्चे सोशल मीडिया वीडियो और ट्रेंड्स को देखकर मेकअप और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जिद करते हैं। उन्हें यह सब अपने पेरेंट्स या बड़े बच्चों के व्यवहार से प्रेरित होकर करना पसंद आता है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए ब्यूटी और स्किनकेयर मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार सिर्फ बच्चों के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से हो रहा है। भारत में भी कई कंपनियां बच्चों के लिए खास प्रोडक्ट्स लॉन्च कर रही हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 60 से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

मनोवैज्ञानिकों की चेतावनी

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया की वजह से अब बचपन और जवानी की सीमा धीरे-धीरे मिटती जा रही है। बच्चे अपनी अहमियत दूसरों की तारीफों से आंकने लगते हैं। लंबे समय तक यह आदत मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

पेरेंट्स के लिए सलाह

डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों ने माता-पिता को सलाह दी है कि बच्चों को बिना समझाए सख्ती से रोकने की बजाय प्यार से समझाएं। बच्चों को केवल फेसवॉश और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करने दें और मेकअप के बजाय स्वच्छता और बुनियादी स्किनकेयर पर ध्यान देना सिखाएं। बच्चों के लिए बढ़ती ग्लास स्किन और मेकअप की चाह को देखते हुए यह जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों की स्किन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उन्हें सही दिशा में गाइड करें।

सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए थोड़ा नाजुक होता है। ठंडी हवा और सूखा मौसम बच्चों की त्वचा और सेहत पर जल्दी असर डालता है। इस मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है और उनकी त्वचा रूखी होने लगती है। इसलिए माता-पिता को बच्चों की देखभाल में खास ध्यान देने की जरूरत होती है, खासतौर पर नहलाने को लेकर। अक्सर साफ-सफाई के चक्कर में की गई छोटी सी गलती भी बच्चों को सर्दी, खांसी या त्वचा की परेशानी में डाल सकती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही सर्दियों में बच्चों को नहलाने के मामले में संयम बरतने की सलाह देते हैं।

विंटर केयर: सर्दियों में बच्चों को कितनी बार नहलाना चाहिए? जानें सही तरीका

क्या सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है?

नहीं, सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाने की जरूरत नहीं होती। रोज नहलाने से त्वचा के नेचुरल ऑयल खत्म हो जाते हैं, जिससे त्वचा और बाल ज्यादा रूखे हो सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सर्दियों में बच्चों को हफ्ते में 2 से 3 बार नहलाना पर्याप्त होता है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के मुताबिक, सर्दियों में वात दोष बढ़ जाता है। बार-बार नहाने से वात और बढ़ सकता है, जिससे बच्चों को सूखी त्वचा, सर्दी और खांसी की समस्या हो सकती है।

बच्चों के बालों की सही देखभाल

छोटे बच्चों की स्कैल्प बहुत संवेदनशील होती है। सामान्य तौर पर हफ्ते में 1 से 2 बार बाल धोना काफी है। अगर बाल ज्यादा ऑयली हों तो 2 से 3 बार धोए जा सकते हैं। सूखे या घुंघराले बालों को 7 से 10 दिन में एक बार धोना बेहतर होता है। बाल धोने के बाद हल्का सा तेल लगाना फायदेमंद रहता है।

बच्चों को नहलाते समय रखें ये जरूरी सावधानियां

हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बच्चे को सुबह धूप निकलने के बाद या दोपहर में नहलाएं। नहाते समय कमरे के दरवाजे बंद रखें ताकि ठंडी हवा न लगे। नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से अच्छे से सुखाएं। बच्चे को गर्म कपड़े और मोजे पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। सर्दियों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा नहलाना नुकसानदायक हो सकता है। सही संख्या, सही समय और सही तरीके से नहलाकर ही बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सकता है।

बच्चे के जन्म के बाद यह एक गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए

गाइनेकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद नई मां को एक बड़ी गलती से बचना चाहिए। अगर यह गलती हो जाए, तो आगे चलकर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए डिलीवरी के बाद खुद का सही ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डिलीवरी के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इस दौरान सही पोषण, आराम और हल्की-फुल्की गतिविधियां करना बहुत जरूरी होता है ताकि शरीर जल्दी ठीक हो सके। लेकिन कई नई मां अनजाने में एक गलती कर देती हैं, जो उनकी सेहत पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

डिलीवरी के बाद पूरी तरह बेडरेस्ट करना गलत है

डॉ. ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि पोस्टपार्टम के दौरान कई तरह के मिथक फैले हुए हैं। सी-सेक्शन या नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि उन्हें पूरी तरह बिस्तर पर रहना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। बेहतर रिकवरी के लिए हल्की वॉक जरूरी डॉ. हैं कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ज्यादा समय तक एक ही पोजिशन में लेटे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। इससे लंबे समय तक पीठ दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और कमजोरी की समस्या बनी रहती है।

पैरों में खून का थक्का जमने का खतरा

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी के दौरान खून में बदलाव होते हैं, जो डिलीवरी के बाद भी बने रहते हैं। अगर नई मां लंबे समय तक बिस्तर पर लेटी रहती हैं, तो उनके पैरों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर समस्या हो सकती है और समय पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है।

डिलीवरी के बाद हल्की वॉक शुरू करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। मांसपेशियों की अकड़न को रोकने के लिए स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। अपने डॉक्टर से हमेशा सलाह लेकर ही गतिविधियां बढ़ाएं। इस तरह छोटी सी सावधानी से नई मां दर्द, कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती हैं और जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले कभी नहीं करने चाहिए ये काम

बिगड़ जाएगा दिन, पढ़ाई में भी नहीं लगेगा मन

अक्सर ही जाने-अनजाने में पैरेंट्स सुबह के समय ऐसे काम कर देते हैं जिनसे बच्चे का पूरा दिन स्कूल में खराब हो सकता है. ऐसे में आप भी जान लीजिए कौनसी हैं ये गलतियां जिनसे परहेज किया जाना जरूरी है.

सुबह का समय घर में बेहद उथल-पुथल वाला होता है. किसी को खाना बनाने की टेंशन रहती है तो किसी को ऑफिस जाने की. वहीं, बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में लगे रहते हैं. कहते हैं सुबह व्यक्ति अच्छे मूड से बाहर निकलता है तो उसका दिन भी अच्छा जाता है और अगर सुबह ही मूड ठीक ना रहे तो दिनभर चिड़चिड़ाहट होती है और किसी काम में मन नहीं लगता. यह बात बच्चों पर भी लागू होती है. अगर सुबह के समय घर का माहौल ठीक ना रहे या पैरेंट्स कुछ ऐसा कह दें जिससे बच्चे का मूड खराब हो जाए तो स्कूल का पूरा दिन भी अच्छा नहीं बीतता है. ऐसे में यहां ऐसी ही 5 गलतियों का जिक्र किया जा रहा है जिन्हें पैरेंट्स को सुबह बच्चे को स्कूल भेजने से पहले करने से बचना चाहिए.

बच्चों पर चिल्लाना

सुबह के समय बच्चे को चिल्लाकर उठाने या फिर बच्चे पर चिल्लाने से परहेज करना चाहिए. इससे बच्चे का पूरा दिन खराब हो सकता है. बच्चे को आराम से जगाना चाहिए और उसे अच्छे मूड के साथ ही स्कूल भेजने की कोशिश करनी चाहिए. इससे बच्चे के दिन की शुरुआत पॉजीटिव होती है.

बच्चे को रुलाकर स्कूल भेजना

अक्सर ही जब सुबह बच्चे को डांटा जाता है या उससे कठोर आवाज में बात की जाती है तो इससे बच्चा रोने लगता है.

पैरेंट्स को लगता है कि यह बच्चे का स्कूल ना जाने के लिए एक और नाटक है और इसीलिए वे उसे रोता हुआ ही स्कूल भेज देते हैं. लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए. इससे बच्चे का दिन बिगड़ जाता है.

कठोर बातें कहकर स्कूल भेजना

बच्चे को कठोर बातें कहकर स्कूल नहीं भेजना चाहिए. माना पैरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा स्कूल में जाकर पढ़ने पर ध्यान दे और आनाकानी ना करे, लेकिन इसके लिए उसे कठोर बातें कहना या ऐसी बातें कहना जो उसके मन को ठेस पहुंचाती हैं, सही नहीं हैं. कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे को अच्छी बातें कहकर या प्यार से बातें समझाकर ही स्कूल भेजा जाए.

आपके लिए और..

ऐसा कौन सा शहर है जिसे हम खा सकते हैं? जबाव बताओ

द?ल?ली वालों की 100 रुपये में मौजां ही मौजां, जेब में हैं बस 100 रुपये तो भी द?ल?ली की सैर कर सकते हैं आप, जानें कैसे

50 की उम्र में भी दिखेंगी 25 की, बस रोज रात को सोने से पहले करें इस अंग की मालिश

घर में हबड़-तबड़ मचाना

कई बार पैरेंट्स लेट उठते हैं और फिर बच्चे को लेट उठाते हैं जिससे घर में हबड़-तबड़ का माहौल हो जाता है. इससे बच्चे को समझ ही नहीं आता कि हो क्या रहा है और कई बार यह हड़बड़ाहट किसी बर्तन के टूटने की वजह बन जाती है या इससे बच्चे को घबराहट होने लगती है. इसीलिए ऐसा नहीं करना चाहिए.

जल्दबाजी में नाश्ता करवाना

अगर नाश्ता सही तरह से, समय लेकर और अच्छे से चबा-चबाकर ना किया जाए तो इससे तो बड़ों का ही पेट बिगड़ने लगता है, तो बेचारे मासूम बच्चे कैसे पेट की दिक्कतों से बचेंगे. अगर बच्चों को जल्दी-जल्दी नाश्ता करवाया जाए तो इससे बच्चे के पेट में गैस बन सकती है, पेट में दर्द हो सकता है और एसिडिटी या जी मितलाने की दिक्कत से दोचार होना पड़ सकता है. इसीलिए बच्चे को समय से उठाएं और आराम से नाश्ता करने के लिए कहें.

लंबे वर्किंग आवर्स पर अर्जुन बिजलानी का खुलासा

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं।'

अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।''

जब उनसे पूछा कि क्या टीवी इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए, तो अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''तकनीकी रूप से यह संभव नहीं है। जब कोई शो हफ्ते में सातों दिन टेलीकास्ट होता है, तो इतने कम समय में काम पूरा करना मुश्किल हो जाता है।'' अर्जुन ने कहा, ''अगर काम के घंटे घटाकर 8 कर दिए जाएं, तो शो की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। दर्शकों तक अच्छी क्वालिटी का कंटेंट पहुंचाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। काम और सेहत के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।''

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

राजकुमार राव के साथ बनेगी जोड़ी!

आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

मेल लीड निभाएंगे राजकुमार!

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। अगर ऐसा होता है तो आलिया और राजकुमार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शुरू कर सकते हैं।

आलिया-राजकुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आलिया भट्ट आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों में यशराज के स्पाई-यूनिवर्स की एक्शन फिल्म 'अल्फा' है। इसमें उनके साथ में शरवरी वाघ और बॉबी देओल प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं। वहीं, राजकुमार राव जल्द ही नेटफ्लिक्स की कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' में दिखाई देंगे। साथ ही वो एक बायोपिक ड्रामा में नजर आएंगे। जिसमें वे पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएंगे।

वीर दास ने कंगना को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाली एक्ट्रेस'

बालीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। वे 'लव आज कल', 'बदमाश कंपनी', 'देली बेली' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कंगना रनौत के साथ भी 'रिवॉल्वर रानी' फिल्म में काम किया है। हाल ही में वीरदास ने एक इंटरव्यू में कंगना के साथ किए काम का अनुभव शेयर किया। फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' से अपनी और कंगना की एक तस्वीर पर रिएक्ट करते हुए वीर दास ने उनके साथ काम करने के अनुभव शेयर किया। वीर दास ने साथ बातचीत में कहा, 'इस फिल्म में हम दोनों ज्यादातर समय एक-दूसरे से लड़ते नजर आते हैं। यह एक डार्क और थोड़ी अलग तरह की ब्लैक कॉमेडी है। कंगना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो पीढ़ियों में एक बार पैदा होती हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' के बारे में

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' में कंगना रनौत ने रिवॉल्वर रानी का लीड किरदार निभाया है। वहीं वीर दास ने रोहन मेहरा का रोल किया, जो एक उभरते हुए बॉलीवुड अभिनेता हैं और जिनसे कंगना का किरदार प्यार करने लगता है। कहानी में कुछ लोग रोहन को अगवा कर लेते हैं। इसके बाद उन्हें मारने का प्लान बनाते हैं। तब कंगना बंदूक उठाकर दुश्मनों से भिड़ जाती हैं और उनकी जान बचाती हैं। इस फिल्म का निर्देशन साई कबीर श्रीवास्तव ने किया था। फिल्म में पीयूष मिश्रा, जकिर हुसैन और जेशान कादरी भी अहम रोल में नजर आए थे।

वीर दास के हालिया प्रोजेक्ट्स

वीर दास हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस में बनी थी। इसमें मिथिला पालकर और मोना सिंह भी अहम किरदारों में थीं। वहीं इमरान खान और आमिर खान ने भी इस फिल्म में खास कैमियो किया था। इस फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। अब वीर दास कॉमेडी वर्ल्ड टूर 'हे स्ट्रेंजर' करने वाले हैं। यह टूर 27 फरवरी से शिकागो में शुरू होगा और 23 मई को मलेशिया में खत्म होगा।

सात साल बाद अभिनय में वापसी पर क्या बोलीं रिया चक्रवर्ती?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपकमिंग सीरीज 'फैमिली बिजनेस' से स्क्रीन पर सात साल बाद वापसी कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के एलान के बाद एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपने काम पर लौटने के लंबे सफर के बारे में बताया। उन्होंने पर्दे पर वापसी के लिए आभार जताया है।

एक्टिंग में दोबारा आने पर बोली रिया?

हाल ही में रिया ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तैयार हो रही हैं। एक्टिंग में दोबारा वापसी करने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में 'चेहरे' के लिए शूटिंग की थी। रिया ने कहा, '7 साल। यह सच में बहुत अजीब है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से एक्टिंग करूंगी। यह अविश्वसनीय है क्योंकि यह एक सपने जैसा है। जब मैं 17 साल की थी, तब यह मेरा सपना था। फिर वह सब हुआ। इसके बाद मुझे काम मिलना बंद हो गया। फिर मैं वापस आ गई। हालांकि अब मैं बहुत बदल गई हूं। अब मेरा एक अलग करियर है। अब कई मायनों में यह मायने नहीं रखता। कई मायनों में यह अभी भी पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।'

कौन सा सपना लेकर आई थीं रिया?

पोस्ट के कैप्शन में रिया ने लिखा 'सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं। हालांकि मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा।

'फैमिली बिजनेस' की स्टारकास्ट

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' में रिया के अलावा विजय वर्मा, अनिल कपूर, ध्रुव सहगल, नेहा धूपिया, राइमा सेन, आकाश खुराना, अपरा मेहता, नंदीश संधू, अनंत नाग, रोहन विनोद मेहरा, टीना देसाई, कंवलजीत सिंह, मधु और इनायत सूद प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009